दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

असली आज़ादी

■ वर्षः 21, अंकः 315 ■ दमण, शुक्रवार 04, सितंबर 2026 ■ पृष्ठः 8 ■ मूल्यः 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

भारत और बेल्जियम सैन्य एवं सुरक्षा सहयोग को देंगे नई दिशाः पीएम मोदी

नई दिल्ली,(ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घोषणा की कि भारत और बेल्जियम सैन्य आदान-प्रदान व प्रशिक्षण सहयोग को बढ़ाएंगे, उन्होंने रक्षा और सुरक्षा सहयोग को दोनों देशों के संबंधों का मुख्य स्तंभ बताया। नई दिल्ली में बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर के साथ एक संयुक्त प्रेसवार्ता को संबोधित कर पीएम मोदी ने कहा कि लोकतांत्रिक मूल्य, बाजार-आधारित अर्थव्यवस्था और लोगों के बीच मजबूत संबंध भारत और बेल्जियम को स्वाभाविक साझेदार बनाते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने जोर दिया कि दोनों देश मिलिट्री एक्सचेंज और प्रशिक्षण सहयोग बढ़ाने पर सहमत हुए हैं। हमारी सरकारों और रक्षा उद्योगों के बीच हुए समझौते रक्षा क्षेत्र में मिलकर विकास और उत्पादन के नए अवसर पैदा करने वाले है। इसके अतिरिक्त, खुफिया जानकारी साझा करने और अपराध के खिलाफ सहयोग को मजबूत किया जाएगा। उन्होंने जोरावर टैंक जैसे आधुनिक रक्षा उपकरणों पर मिलकर काम करने और काकीनाडा में दुनिया के सबसे बड़े ग्रीन अमोनिया प्रोजेक्ट्स में से एक को विकसित करने का उल्लेख किया। पीएम मोदी ने भारत और बेल्जियम के संबंधों की जड़ों को इतिहास में गहरा बताकर प्रथम विश्व युद्ध में बेल्जियम में हजारों भारतीय सैनिकों के साहस और बलिदान को साझा स्मृति का अहम हिस्सा बताया। उन्होंने कहा कि पिछले दशक में दोनों देशों की साझेदारी ने उल्लेखनीय प्रगति की है, पारंपरिक क्षेत्रों से आगे बढ़कर रक्षा और स्वच्छ ऊर्जा जैसे रणनीतिक क्षेत्रों तक फैल गई है। प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की आर्थिक वृद्धि की सराहना कर कहा कि दुनिया के कई हिस्सों में जारी संघर्षों और अन्य चुनौतियों के बावजूद, भारत की अर्थव्यवस्था ने अपनी गति बनाए रखी है। पिछली तिमाही में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए, भारत की विकास गाथा आज दुनिया के लिए विश्वास और नए अवसरों का स्रोत बन रही है। इस वर्ष की शुरुआत में भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच हस्ताक्षरित ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) भी वैश्विक स्थिरता, विकास और साझा समृद्धि को नई मजबूती देगा, जिससे हमारे आर्थिक संबंधों के लिए नई संभावनाएं खुली हैं। उन्होंने कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में भारत और बेल्जियम के बीच हुए समझौते (एमओयू) से स्थिरता पर दोनों देशों के सहयोग को नई गति मिलेगी।

दमण पुलिस ने चलाया विशेष मोटर वाहन चेकिंग अभियान

■ दो दिनों में ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन के लिए 569 लोगों को जारी किया चालान

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण, 3 सितंबर। दमण पुलिस ने 2 और 3 सितंबर 2026 को दमण जिले के विभिन्न महत्वपूर्ण स्थानों पर दो दिवसीय विशेष मोटर वाहन चेकिंग अभियान चलाया। इसका उद्देश्य ट्रैफिक नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करना और वाहन चालकों के बीच सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देना था। अभियान के दौरान ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन के लिए कुल 569 चालान जारी किए गए। इनमें से 406 मैनुअल चालान पीओएस मशीन के जरिए और 163 ई-चालान दमण जिले में विभिन्न स्थानों पर लगे कैमरों के माध्यम से ऑनलाइन जारी किए गए। पकड़े गए प्रमुख उल्लंघनों में बिना हेलमेट के गाड़ी चलाने के 311 चालान, टिंटेड/काले शीशे के 36 चालान, नो-पार्किंग के 23 चालान, पीछे बैठने वाले यात्री (पिलियन राइडर) से जुड़े 06 चालान, खराब नंबर प्लेट के 30 चालान और बिना नंबर प्लेट वाले वाहनों के 24 चालान शामिल थे। साथ ही अन्य ट्रैफिक उल्लंघन भी पाए गए। इसके अलावा, शराब पीकर गाड़ी चलाने (ड्रंक एंड ड्राइव) के 05 मामले दर्ज किए गए और संबंधित रिपोर्ट आगे की आवश्यक कार्रवाई के लिए माननीय न्यायालय दमण को भेज दी गईं। ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन के प्रति अपनी ज़ीरो-टॉलरेंस पॉलिसी के तहत दमण पुलिस ने लंबित ट्रैफिक चालानों के संबंध में 16 वाहन मालिकों को संबंधित पुलिस स्टेशनों में बुलाया। प्रक्रिया के अनुसार उनके वाहनों को जप्त कर लिया गया और लंबित चालानों का भुगतान होने के बाद ही उन्हें छोड़ा गया। दमण पुलिस सभी निवासियों और वाहन मालिकों से अपील करती है कि वे तय समय सीमा के भीतर अपने लंबित ई-चालान का भुगतान करें। लंबित ई-चालान का भुगतान करने के लिए ई-चालान वेबसाइट https://echallan.parivahan.nic.in/challan/challan-services पर जाएं। सेंट्रल मोटर व्हीकल्स रूल्स 1989 के नियम 167, सब-रूल (12) के अनुसार, अगर पेंडिंग ई-चालान का भुगतान नहीं किया जाता है, तो संबंधित वाहन की आरसी को पोर्टल पर ब्लैकलिस्ट किया जा सकता है और संबंधित आरटीओ द्वारा वाहन मालिक का ड्राइविंग लाइसेंस ब्लॉक या सस्पेंड किया जा सकता है। इसके अलावा, सेंट्रल मोटर व्हीकल्स रूल्स 1989 के नियम 167, सब-रूल (13) के तहत वाहन को जप्त भी किया जा सकता है। दमण पुलिस सभी निवासियों, यात्रियों और आने-जाने वालों से अपील करती है कि वे ट्रैफिक नियमों का पालन करें, हेलमेट पहनें, सही नंबर प्लेट का इस्तेमाल करें, टिंटेड ग्लास (काले शीशे) से बचें और जिम्मेदारी से गाड़ी चलाएं। ट्रैफिक नियमों का पालन करने से दुर्घटनाओं को रोकने और सड़क का इस्तेमाल करने वाले सभी लोगों की जान बचाने में मदद मिलती है। दमण पुलिस वाहन चालकों से यह भी आग्रह करती है कि वे ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन न करें और दमण की सड़कों को सभी के लिए सुरक्षित बनाने में पुलिस का सहयोग करें।

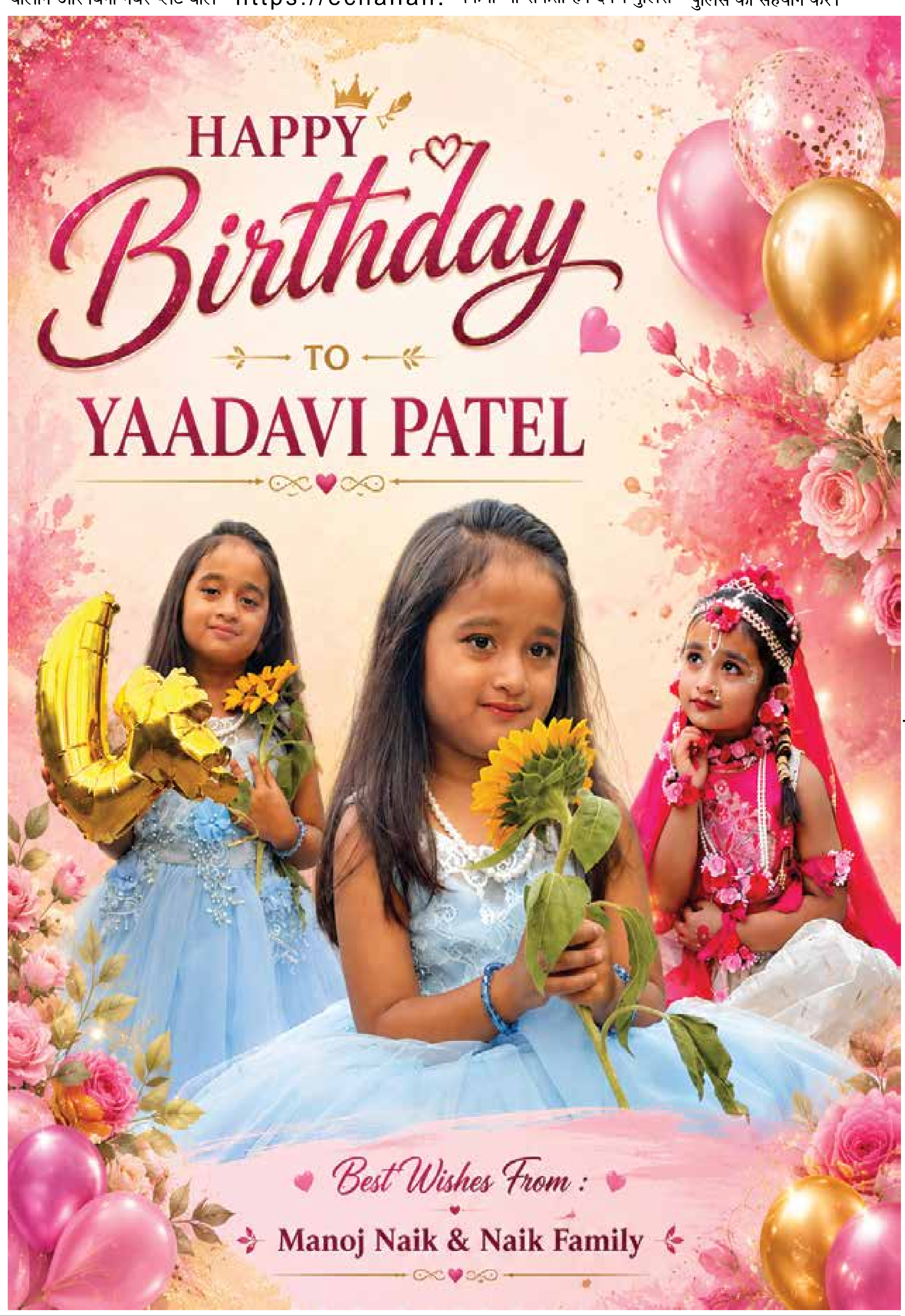

सायोनी घोष की तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय से मुलाकात, राजनीतिक हलचल तेज

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई में सायोनी घोष की सीएम विजय से मुलाकात से भाजपा-टीएमसी के कान खड़े हो गए हैं. चेन्नई में तृणमूल कांग्रेस की बागी सांसद सायोनी घोष ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय से मुलाकात की है। दोनों के बीच हुई इस मुलाकात के बाद पश्चिम बंगाल दिल्ली से लेकर तमिलनाडु तक राजनीतिक हलचलें तेज हो गई है। सायोनी घोष ने मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा करते हुए विजय के सुशासन, समावेशी विकास और तमिलनाडु के भविष्य को लेकर उनके विजन की तारीफ की है। उन्होंने विजय की पश्चिम बंगाल की संस्कृति और परंपराओं के प्रति रुचि का भी उल्लेख किया। सायोनी घोष के हालिया राजनीतिक रुख को देखते हुए इस मुलाकात को महज शिष्टाचार भेंट मानने को लेकर भी चर्चाएं शुरू हो गई हैं। भाजपा और टीएमसी दोनों ही इस घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए हैं। हालांकि मुलाकात में किसी राजनीतिक गठजोड़ या भविष्य की रणनीति की आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है. बदले हुये राजनीतिक समीकरणों के बीच इस मुलाकात ने अटकलों को जरूर हवा दे दी है।

कीटनाशक बन रहा मौत का बड़ा कारण, हर साल 11000 से ज्यादा लोगों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। कीटनाशकों के जहरीले प्रभाव को लेकर सामने आई नई वैश्विक रिपोर्ट ने चिंता बढ़ा दी है। अध्ययन के मुताबिक दुनिया में हर साल करीब 11 हजार लोगों की मौत अनजाने में कीटनाशकों के संपर्क या विषाक्तता होने से होती है। इनमें लगभग 60 प्रतिशत मौतें भारत में होने का अनुमान लगाया गया है। रिपोर्ट के अनुसार दुनियाभर में हर साल करीब 40.2 से 43.3 करोड़ किसान और कृषि श्रमिक कीटनाशक विषाक्तता से प्रभावित होते हैं। दक्षिण एशिया इस संकट से सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्रों में है। विशेषज्ञों ने अत्यधिक जहरीले कीटनाशकों के इस्तेमाल पर नियंत्रण, किसानों को सुरक्षा प्रशिक्षण और सुरक्षित कृषि विकल्प उपलब्ध कराने की जरूरत बताई है। हालांकि, 60 प्रतिशत का आंकड़ा कुल भारतीय मौतों का नहीं, बल्कि अनुमानित वैश्विक कीटनाशक-विषाक्तता मौतों में भारत की हिस्सेदारी का है।

दो शिक्षकों ने 12 छात्राओं के साथ किया दुष्कर्म, अश्लील वीडियो भी बनाया

बक्सर (एजेंसी)। बिहार के बक्सर जिले से एक बेहद शर्मनाक मामला सामने आया है। डुमरांव प्रखंड के एक मध्य विद्यालय में दो शिक्षकों पर करीब 12 नाबालिग छात्राओं के साथ दुष्कर्म करने का आरोप है। आरोपी शिक्षकों ने छात्राओं को हवस का शिकार बनाने के साथ-साथ उनका अश्लील वीडियो भी बनाया। यह शर्मनाक हरकत पिछले कई दिनों से चल रही थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक तीन दिन पहले जब यह अश्लील वीडियो इंटरनेट और सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो परिजनों और ग्रामीणों को घटना की जानकारी लगी। वीडियो सामने आते ही ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंच गए। मामले का संज्ञान लेते हुए जिला शिक्षा विभाग ने त्वरित कार्रवाई की। विभाग ने दोनों आरोपी शिक्षकों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक बुधवार की देर रात तक बड़ी संख्या में ग्रामीण थाने के बाहर जमा हो गए और आरोपी शिक्षकों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे। थाना प्रभारी ने बताया कि परिजनों और ग्रामीणों से लिखित आवेदन ले लिया गया है। पुलिस ने मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली है। प्रभारी डीएसपी ने बताया कि मामले की गहनता से जांच की जा रही है। आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस टीम अलग-अलग जगहों पर छापे मार रही है। बक्सर के एसपी ने घटना को बेहद गंभीर बताया है। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर उनके खिलाफ कड़ी से कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

टीएमसी दफ्तर में तोड़फोड़ का आरोप- अभिषेक ने बीजेपी को घेरा, पुलिस पर उठाए सवाल

कोलकाता(एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद अभिषेक बनर्जी ने कोलकाता के कैमक स्ट्रीट स्थित अपनी पार्टी कार्यालय में बीजेपी कार्यकर्ताओं पर तोड़फोड़ का आरोप लगाया है। उन्होंने सीसीटीवी फुटेज जारी कर बताया कि हमलावर गुरुवार सुबह करीब 4-30 बजे दफ्तर में घुसे। टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी ने दावा किया कि हथियारों से लैस इन हमलावरों ने कार्यालय के कर्मचारियों से मारपीट की, उनके फोन छीन लिए, फर्नीचर तोड़ दिया, दफ्तर में पूरा सामान बिखेर दिया और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को भारी नुकसान पहुँचाया। उन्होंने आरोप लगाया कि एयर प्यूरिफायर, प्रिंटर और टीवी जैसे कई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण चोरी किए गए।
टीएमसी अभिषेक बनर्जी के मुताबिक, टीएमसी कर्मचारियों और वकीलों ने घटना की सूचना पुलिस को दी, लेकिन दो घंटे तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। यह वहीं टीएमसी कार्यालय है जो कुछ दिन पहले भी विवादों में था। 31 अगस्त को कोलकाता नगर निगम ने पुलिस की मौजूदगी में इस इमारत से टीएमसी का साइनबोर्ड हटाया था। उस दौरान अधिकारियों से झड़प के आरोप में अभिषेक सहित 3 टीएमसी नेताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर 13 लोगों को गिरफ्तार किया था।

सिंधु जल संधि पर भारत का रुख सख्त, पाक की अंतर्राष्ट्रीय कोशिशें बेअसर

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु जल संधि को लेकर जारी विवाद अब अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी मुखर हो रहा है। इस संवेदनशील मुद्दे पर भारत ने अपना कड़ा रुख बरकरार रखा है। हाल ही में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के मंच पर इस विषय को उठाकर अंतरराष्ट्रीय समर्थन हासिल करने का प्रयास किया, हालांकि उनकी यह कोशिश कोई खास कामयाब नहीं हुई।
अपने संबोधन में पीएम शहबाज शरीफ ने पानी को क्षेत्र की जीवनरेखा बताया और इस बात पर जोर दिया कि पानी को राजनीतिक हथियार नहीं बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पानी आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है और साझा जल संसाधनों को लेकर देशों के बीच सहयोग होना चाहिए। शरीफ ने अंतरराष्ट्रीय समझौतों का सम्मान करने की अपील करते हुए कहा कि समझौतों को उनकी भावना और शब्दों के मुताबिक लागू किया जाना चाहिए। पाकिस्तान की इस अपील को भारत के साथ चल रहे सिंधु जल संधि विवाद से सीधे तौर पर जोड़कर देखा जा रहा है। पाकिस्तान लगातार यह दावा करता रहा है कि 1960 की सिंधु जल संधि दोनों देशों के बीच पानी के बंटवारे का आधार है और इसे लागू किया जाना चाहिए। भारत ने यह कड़ा कदम अप्रैल 2025 में पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले के बाद उठाया था, जिसमें 26 निर्दोष लोगों की जान चली गई थी। तब से भारत अपने इस रुख पर अडिग है कि आतंकवाद के खिलाफ ठोस कार्रवाई के बिना पाकिस्तान से किसी भी तरह की बातचीत संभव नहीं है और सिंधु का पानी रुका रहेगा। शहबाज शरीफ की बातों से स्पष्ट संकेत मिल रहा था कि भारत का दांव बिल्कुल सही पड़ा है और पाकिस्तान अपने किए की सजा भुगत रहा है। विवाद के एक अन्य पहलू में हेग स्थित कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन का फैसला भी शामिल है, जिसने सिंधु जल संधि को कानूनी रूप से लागू माना और संधि के तहत विवाद निपटान प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की बात कही। पाकिस्तान ने इस फैसले का स्वागत करते हुए इसे अपनी जीत के तौर पर पेश किया है। हालांकि, भारत ने पूरी कार्यवाही को मानने से साफ इंकार किया है। भारत का कहना है कि यह ट्रिब्यूनल अवैध रूप से गठित किया गया है और उसे भारत पर कोई अधिकार क्षेत्र हासिल नहीं है। इस मामले में भारत का रुख साफ है कि उसके हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट और उनसे जुड़े फैसले किसी ऐसे ट्रिब्यूनल के आदेश से प्रभावित नहीं होंगे, जिसे वह खुद मान्यता ही नहीं देता।

सीएम मान का दावा : कृषि कानूनों की वापसी पर भाजपा-शिअद गठबंधन!

संगरूर (एजेंसी)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बड़ा दावा कर कहा कि भाजपा शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के साथ गठबंधन की तैयारी में है। वहीं इस समझौते की शर्त तीनों ''काले'' कृषि कानूनों को वापस लाना है। सीएम मान ने आरोप लगाया कि यह प्रस्तावित अकाली-भाजपा गठबंधन केवल ''राजनीतिक फायदे'' के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शिअद सत्ता हासिल करने के लिए ''पंजाब में कुछ भी बेचने'' को तैयार है और सीएम मान ने दावा किया कि पंजाबी कभी भाजपा को वोट नहीं देने वाले हैं। जो वोट हासिल करने के लिए सांप्रदायिक विभाजन का इस्तेमाल करती है।
मुख्यमंत्री मान ने दोनों दलों के बीच कथित ''गठजोड़'' का प्रमाण पंजाब विश्वविद्यालय के छात्र संघ चुनाव में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) की जीत को बताया। उन्होंने कहा कि चुनाव में अकाली दल के छात्र संगठन 'स्टूडेंट्स ऑर्गनाइजेशन ऑफ इंडिया' (एसओआई) ने एबीवीपी का समर्थन किया था, जिससे उनके बीच की मिलीभगत उजागर हुई।
संगरूर में जनसभा को संबोधित कर सीएम मान ने लोगों को आगाह किया कि अकाली दल हमेशा पंजाब के हितों के खिलाफ काम करने वाली ताकतों से हाथ मिलाकर ''पंजाब विरोधी'' रुख अपनाती रही है। उन्होंने चेताया कि अगर यह अकाली-भाजपा गठबंधन सत्ता में आता है, तब वह किसानों पर एक बार फिर ''कठोर'' कृषि कानून थोप सकता है।

पंजाब वोटर लिस्ट से राघव चड्ढा का नाम कटा, आप को ठहराया जिम्मेदार

नई दिल्ली, एजेंसी।
मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा का नाम पंजाब की वोटर लिस्ट से हटा दिया गया है। पंजाब में ड्राफ्ट लिस्ट जारी होने के बाद से इस मामले पर राजनीतिक बवाल खड़ा हो गया है। चड्ढा ने सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) पर बदले की कार्रवाई के गंभीर आरोप लगाए हैं। वहीं, आप ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा है कि इस प्रक्रिया में राज्य सरकार की कोई भूमिका नहीं है, क्योंकि एसआईआर का संचालन चुनाव आयोग द्वारा किया जा रहा है। चुनाव आयोग द्वारा 13 अगस्त को जारी की गई ड्राफ्ट लिस्ट में चड्ढा का नाम एएसडीडी (अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत और डुप्लिकेट) श्रेणी में दर्शाया गया था। उनके स्टेटस के आगे स्थायी रूप से स्थानांतरित लिखा हुआ था, जिसका अर्थ है कि वे किसी अन्य जगह पर चले गए हैं। हालांकि, ड्राफ्ट से हटाए गए नामों को दोबारा सूची में शामिल करने का प्रावधान है, और 13 अगस्त से 12 सितंबर तक यह प्रक्रिया जारी है। एसआईआर के बाद पंजाब की अंतिम मतदाता सूची 12 अक्टूबर को जारी होने की उम्मीद है। उल्लेखनीय है कि पूरे देश में एसआईआर के माध्यम से 13 करोड़ से अधिक नाम मतदाता सूचियों से हटाए गए हैं। राघव चड्ढा ने इस घटना पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे आप सरकार द्वारा बदले की राजनीति का एक नया स्तर बताया है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब वे पंजाब से राज्यसभा के मौजूदा सांसद हैं और उनका वोटर आईडी मोहाली में पंजीकृत है, तब भी उनका नाम स्थानांतरित (शिफ्टेड) दिखाया गया है। चड्ढा के अनुसार, यह कोई लिपिकीय त्रुटि नहीं है, बल्कि एक सुनियोजित राजनीतिक प्रतिशोध का मामला है। उन्होंने सवाल उठाया कि उन्हें शिफ्टेड किसने बताया और इसका सत्यापन किसने किया? उनके मुताबिक, इस पूरी प्रक्रिया में शामिल सभी प्रशासनिक स्तरों पर, बूथ स्तर अधिकारी (बीएलओ) से लेकर पंजाब के मुख्य निर्वाचन अधिकारी तक, पंजाब सरकार के अधिकारी ही तैनात हैं। चड्ढा ने कहा कि ये अधिकारी अच्छी तरह जानते हैं कि चुनाव ड्यूटी के बाद आप सरकार उनके स्थानांतरण, पोस्टिंग और करियर को नियंत्रित करती है, और कौन उनका जीवन मुश्किल बना सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि आप सरकार राजनीतिक बदला लेने के लिए राज्य के अधिकारियों पर दबाव डालती है।

कांग्रेस ने खाद्य सुरक्षा और गरीबों की स्थिति सुधारने में निर्णायक भूमिका निभाई

-खड़गे ने केंद्र पर साधा निशान कहा- इस सरकार क्या का योगदान है

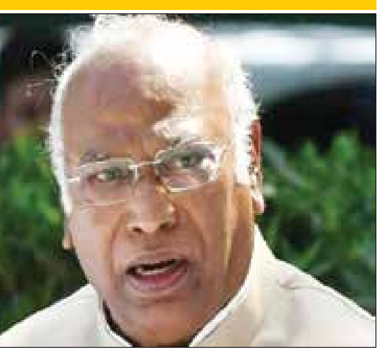

नई दिल्ली, एजेंसी।
कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पीएम मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि लोगों का जीवन बेहतर बनाने में इस सरकार का योगदान क्या है, जबकि कांग्रेस की सरकारों ने खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने और गरीबों की स्थिति सुधारने के लिए निर्णायक भूमिका निभाई। खड़गे ने 'डॉ वाईएस राजशेखर रेड्डी पुरस्कार-2026 समारोह को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। यह पुरस्कार कृषि वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन के नाम पर स्थापित संस्था 'एमएस स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन' को दिया गया।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा कि इंदिरा गांधी ने हरित क्रांति के जरिए भूख के खिलाफ लड़ाई लड़ी, जबकि सोनिया गांधी के प्रयासों से देश में खाद्य सुरक्षा का अधिकार सुनिश्चित करने के लिए कानून आया। उन्होंने कहा कि 1960-61 से 1980-81 के बीच चावल का उत्पादन 3.46 करोड़ टन से बढ़कर 5.36 करोड़ टन और गेहूं का उत्पादन 1.1 करोड़ टन से बढ़कर 3.63 करोड़ टन हो गया। खड़गे का कहना था कि हरित क्रांति ने भारत को ÷अनाज के कटोरे÷ में बदलने में अहम भूमिका निभाई।
उन्होंने कहा कि यह हमारी सरकार की उपलब्धि है, लेकिन मौजूदा सरकार की उपलब्धि क्या है, मोदीजी की उपलब्धि क्या है?÷ खड़गे ने कहा कि जब भारत खाद्यान्न की कमी और अकाल से जूझ रहा था, तब इंदिरा गांधी के नेतृत्व में हरित क्रांति को सरकार की प्राथमिकता बनाया गया। उन्होंने कहा कि कृषि वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन का योगदान इस बदलाव में अहम था। उन्होंने स्वामीनाथन के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि केवल तकनीक पर्याप्त नहीं थी, बल्कि किसानों तक सिंचाई, बिजली, बेहतर बीज, उर्वरक, ऋण और प्रभावी कृषि विस्तार सेवाएं पहुंचाना भी जरूरी था। खड़गे ने आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम वाईएस राजशेखर रेड्डी के योगदान को भी याद किया और कहा कि राजशेखर रेड्डी ने आंध्र प्रदेश में ÷ईंट-ईंट जोड़कर÷ कांग्रेस को खड़ा किया और पार्टी के मुश्किल दौर में उसे मजबूत किया। उन्होंने कहा कि 2004 में सीएमए बनने से पहले राजशेखर रेड्डी ने भीषण गर्मी में 1,400 किलोमीटर से ज्यादा की पदयात्रा की और लोगों से सीधे संवाद किया। उनका मानना था कि सरकार का उद्देश्य आम लोगों को ÷गरिमा, सुरक्षा और अवसर÷ देना है। उन्होंने कहा कि राजशेखर रेड्डी और स्वामीनाथन की सोच में समानता थी कि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए और किसी किसान या गरीब परिवार को पीछे नहीं छोड़ा जाना चाहिए।
बता दें कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राजशेखर रेड्डी 2004 से 2009 तक आंध्र प्रदेश के सीएम रहे। 2009 में हेलीकॉप्टर दुर्घटना में उनका निधन हो गया। उनके निधन के बाद उनके पुत्र वाईएस जगनमोहन रेड्डी ने कांग्रेस छोड़कर वाईएसआर कांग्रेस पार्टी बनाई और बाद में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री बने। उनकी पुत्री वाईएस शर्मिला वर्तमान में आंध्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष हैं। इस कार्यक्रम में तेलंगाना के सीएम ए रेवंत रेड्डी, कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश और पार्टी के कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे।

मानसून का कहर : बिहार में गंगा उफान पर, यूपी में घर बहे, हिमाचल में सड़कें बंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन बुरी तरह प्रभावित किया है। बिहार, उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश में बाढ़, भूस्खलन और मकान ढहने की घटनाओं से भारी तबाही मची है। जहां बिहार में गंगा नदी खतरे के निशान से करीब 2 फीट ऊपर बह रही है, जिससे राज्य के 13 जिले बाढ़ की चपेट में हैं और आठ नदियों का जलस्तर भी बढ़ गया है। बीते दो दिनों से हो रही रुक-रुककर बारिश ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। वहीं उत्तर प्रदेश में भी नदियां उफान पर हैं। काशी में वरुणा नदी के किनारे बसे 407 परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है, जबकि कुल 2,910 लोग विस्थापित हुए हैं। जिला प्रशासन ने राहत और बचाव कार्य के लिए 36 नावें लगाई हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी के डीएम और मेयर से बाढ़ की स्थिति पर विस्तृत चर्चा की है। फतेहपुर जिले में बीते 15 दिनों की लगातार बारिश ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। जिले में अब तक 67 मकान ढह गए हैं और बारिश संबंधी घटनाओं में तीन लोगों की जान गई है। सर्वाधिक नुकसान खागा तहसील में हुआ है, जहां 50 मकान तबाह हुए हैं। शहरी इलाकों में भी भीषण जलभराव है, जहां पंप लगाकर पानी निकालने का काम जारी है ताकि आवाजाही सामान्य हो सके। प्रभावित परिवारों को मुआवजा देने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और अब तक 11 परिवारों को सहायता राशि मिल चुकी है। वहीं पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश में भी बुधवार रात हुई तेज बारिश के बाद भूस्खलन से 175 से अधिक सड़कें बंद हो गई हैं। कालका-शिमला फोरलेन पर भारी मलबा गिरने से कई वाहन रातभर फंसे रहे, जिससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

राम मंदिर ट्रस्ट के सीईओ की नियुक्ति पर छिड़ी सियासी बहस

अयोध्या, एजेंसी।
श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने हाल ही में सेवानिवृत्त एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा को मंदिर का पहला मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है। इस महत्वपूर्ण नियुक्ति के तुरंत बाद, कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने एक बड़ा और विवादास्पद बयान दिया है, जिसने सियासी गलियारों में हलचल मचा दी है। मसूद ने अपनी प्रतिक्रिया में साफ तौर पर कहा कि मंदिर से जुड़े कार्यों को केवल उन्हीं लोगों को सौंपा जाना चाहिए जिनका संबंध सीधे तौर पर मंदिर और उसकी परंपराओं से हो। उन्होंने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को अब राम मंदिर परियोजना में वित्तीय हित नजर आ रहा है, जिसके कारण वे इसे लालच की नजरों से देख रहे हैं।
कांग्रेस नेता ने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा, यह काम साधु-संतों का है, मंदिर से जुड़े लोगों का है। लेकिन अब एक एयर मार्शल, जो हवाई जहाज उड़ाते हैं, वे आरएसएस के जाल में फंस गए हैं। उन्होंने तंज कसते हुए यह भी पूछा कि क्या उन्हें भी आखिर में बेइज्ज़त करके निकाल दिया जाएगा? यह कैसा तमाशा है? मसूद ने दोहराया कि मंदिर के प्रबंधन और संचालन का कार्य उन लोगों पर छोड़ देना चाहिए जो आध्यात्मिक रूप से इससे जुड़े हों, न कि उन पर जो बाहरी पृष्ठभूमि से आते हैं। उनके बयान में आरएसएस पर मंदिर निर्माण को एक व्यावसायिक उद्यम के रूप में देखने का आरोप स्पष्ट रूप से झलकता है, जहां धन का प्रवाह उनके लिए एक प्राथमिक प्रेरणा बन गया है। इसी प्रेस वार्ता के दौरान, इमरान मसूद ने जम्मू-कश्मीर में कश्मीरी पंडितों को लगातार मिल रही धमकियों और हमलों पर भी अपनी राय व्यक्त की। उन्होंने इस संवेदनशील मुद्दे को आगामी चुनावों से जोड़ते हुए कहा, चुनाव आने वाले हैं और हमला भी हो सकता है। मसूद ने आगे कहा कि आतंकवादी हमले, धमकियां और नफ़रत फैलाना, ये सब चुनाव के समय ही सामने आते हैं। उन्होंने सवालिया लहजे में कहा कि इससे फ़ायदा किसे होता है? जिसे फ़ायदा होता है, वही इसके लिए जिम्मेदार होता है। यह बयान मौजूदा सरकार और उसकी नीतियों पर एक परोक्ष निशाना था, जिसमें उन्होंने राजनीतिक लाभ के लिए ऐसी घटनाओं का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया।

मनोज जरांगे का अनशन जारी- स्वास्थ्य के लिए पानी और सलाइन पर सहमति

मुंबई, एजेंसी।
महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने महायुति सरकार की ओर से मिलने पहुंचे भाजपा विधायक प्रसाद लाड के आग्रह के बाद पानी पीने और सलाइन चढ़वाने पर सहमति जाहिर की है। हालांकि, जरांगे ने स्पष्ट किया कि उनकी सभी मांगें पूरी होने तक उनका अनिश्चितकालीन अनशन जारी रहेगा। मराठा आरक्षण के मुद्दे को लेकर उनकी भूख हड़ताल को 6 दिन हो गए है। जालना जिले के अंतरवाली सराटी में 29 अगस्त को शुरू हुआ जरांगे का अनशन मराठाओं के लिए आरक्षण और गजट रिकॉर्ड के आधार पर तुरंत कुनबी प्रमाणपत्र जारी करने सहित कई महत्वपूर्ण मांगों पर केंद्रित है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि मांगें पूरी नहीं हुईं, तब आंदोलन को और तेज किया जाएगा और मुंबई तक ले जाया जाएगा। जरांगे ने कहा, मैं पानी पी रहा हूं और सलाइन चढ़वा रहा हूं, लेकिन जब तक हमारी मांगें पूरी नहीं होतीं, मैं अनशन वापस नहीं लूंगा। उन्होंने दावा किया कि मराठाओं और कुनबियों के बीच वंशावली संबंध स्थापित करने वाले 58 लाख रिकॉर्ड मिले हैं, जिस संख्या को सरकार कम करने की कोशिश कर रही है। चिकित्सकों ने जरांगे के बिगड़ते स्वास्थ्य पर चिंता जाहिर की है, जहां उनके रक्त शर्करा का स्तर गिरा है। जालना की जिलाधिकारी आशिमा मित्तल ने जंरागे से मुलाकात कर अनशन समाप्त करने की अपील की थी, लेकिन जरांगे ने सरकारी पक्ष को सुनने से इंकार कर कहा कि इस मुद्दे से जुड़े फैसले राज्य स्तर पर लिए जाने हैं। उन्होंने भाजपा नीत राज्य सरकार की आलोचना कर दावा किया कि मराठा आरक्षण का मुद्दा मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के बीच श्रेय लेने की राजनीतिक खींचतान में फंस गया है। इस बीच, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री ने पूर्व में बयान दिए हैं। सीएम फडणवीस ने कहा था कि सरकार संवैधानिक रूप से वैध और कानूनी तौर पर व्यावहारिक मांगों पर चर्चा के लिए तैयार है, जबकि शिंदे ने मराठा समुदाय को किसी अन्य वर्ग के साथ अन्याय किए बिना न्याय दिलाने की बात कही थी। जरांगे ने बीते साल भी 29 अगस्त को ऐसा ही विरोध प्रदर्शन किया था, जो कि दो सितंबर को कुछ मांगें माने जाने के बाद वापस ले लिया गया था, लेकिन अब यह मुद्दा एक बार फिर गरमा गया है।

उत्तर प्रदेश 2027: विधानसभा चुनाव का बिगुल बजा, दल बुन रहे रणनीति

नई दिल्ली, एजेंसी।
उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए राजनीतिक दलों ने अभी से अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। भारतीय जनता पार्टी लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी की उम्मीद लगाए बैठी है, जबकि बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) अपनी खोई हुई जमीन को फिर से मजबूत करने में जुटी है। वहीं, कांग्रेस भी जन-मुद्दों को लेकर आक्रामक तेवर दिखा रही है।
भाजपा की रणनीति मुख्य रूप से तीन स्तंभों पर आधारित है- मजबूत बूथ प्रबंधन, लाभार्थी वर्ग को सशक्त करना और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के व्यापक दौरे। पार्टी अपने पुराने और सफल बूथ जीतो, चुनाव जीतो के फॉर्मूले पर काम कर रही है, जिसके तहत बूथ अध्यक्षों और कार्यकर्ताओं के माध्यम से जनता से सीधा संवाद स्थापित किया जा रहा है। सरकार महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा और छात्राओं को स्कूटी जैसी घोषणाओं के जरिए लाभार्थी वर्ग को और मजबूत कर रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं जिलेवार दौरे कर सरकार के विकास कार्यों और उपलब्धियों का रिपोर्ट कार्ड जनता के सामने पेश कर रहे हैं। युवाओं को साधने के लिए पार्टी ने सेवा संकल्प अभियान में युवा केंद्रित कार्यक्रमों को शामिल किया है।बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने 2022 के प्रदर्शन से बेहतर नतीजों और लगातार तीसरी जीत का दावा किया है। उन्होंने बताया कि पार्टी 403 विधानसभा क्षेत्रों में बूथ सम्मेलन पूरे कर चुकी है और अब भौतिक सत्यापन पर जोर दे रही है। चौधरी का कहना है कि जहां विपक्षी दल अभी तैयारी शुरू कर रहे हैं, वहीं बीजेपी अंतिम चरण में है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि एनडीए का कुनबा, जिसमें सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी, निषाद पार्टी और अपना दल शामिल हैं, पूरी तरह एकजुट है और सहयोगियों को सम्मानजनक सीटें दी जाएंगी। 17 सितंबर से शुरू होने वाले सेवा संकल्प अभियान के तहत केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न उपलब्धियों, जैसे कानून-व्यवस्था की बेहतर स्थिति, सुगम कनेक्टिविटी और लगातार बिजली आपूर्ति को घर-घर तक पहुंचाया जाएगा।अपने राजनीतिक करियर के सबसे चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रही बहुजन समाज पार्टी इस बार बेहद सतर्कता के साथ अपनी रणनीति बुन रही है। पार्टी का मुख्य ध्यान अपने पारंपरिक वोट बैंक को सहेजने और नए सामाजिक समीकरण बनाने पर है। बीएसपी सुप्रीमो मायावती अपने कैडर को बीजेपी और अन्य विपक्षी दलों के लुभावने वादों से दूर रहने की लगातार नसीहत दे रही हैं। पार्टी राज्य में रणनीतिक सर्वे करा रही है और संभावित प्रत्याशियों के साथ लगातार बैठकें जारी हैं। युवाओं को पार्टी से जोड़ने का महत्वपूर्ण जिम्मा आकाश आनंद के कंधों पर है। बीएसपी अपने पुराने सोशल इंजीनियरिंग के मॉडल को नए अंदाज में लागू कर अपने वोट बैंक का दायरा बढ़ाना चाहती है।

टीएमसी दफ्तर में तोडफ़ोड़ का आरोप

कोलकाता(ईएमएस)। तृणमूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बनर्जी ने आरोप लगाया है कि गुरुवार सुबह करीब 4:30 बजे भाजपा के लोगों ने कोलकाता के कैमक स्ट्रीट स्थित उनके पार्टी ऑफिस में हमला किया। अभिषेक ने सोशल मीडिया पर वीडियो भी शेयर किया। उन्होंने दावा किया कि हथियारों के साथ आए हमलावरों ने कर्मचारियों से मारपीट की, फोन छीने, फर्नीचर तोड़ा, दफ्तर में सामान बिखेर दिया और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को नुकसान पहुंचाया। अभिषेक के मुताबिक, टीएमसी कर्मचारियों और वकीलों ने पुलिस को सूचना दी, लेकिन करीब दो घंटे तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसी ऑफिस को लेकर कुछ दिन पहले भी विवाद हुआ था। कोलकाता नगर निगम ने पुलिस की मौजूदगी में इमारत से ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस लिखा साइनबोर्ड हटाया था। इसके बाद अभिषेक बनर्जी, डेरेक ओब्रायन समेत कई टीएमसी नेताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई थी।

नीदरलैंड्स ने 86 टन सोना लंदन भेजा

एम्सटर्डम(ईएमएस)। नीदरलैंड्स ने अमेरिका और कनाडा में रखा 86 टन सोना निकालकर लंदन भेज दिया है। डच सेंट्रल बैंक ने बताया कि यह ट्रांसफर मार्च से अगस्त के बीच कई महीनों में किया गया। अब यह सोना बैंक ऑफ इंग्लैंड में रखा गया है। डच सेंट्रल बैंक के मुताबिक, संकट की स्थिति में लंदन में रखा सोना ज्यादा आसानी से खरीदा-बेचा जा सकता है। इस ट्रांसफर से पहले डच सेंट्रल बैंक के कुल सोने का 31.3 प्रतिशत न्यूयॉर्क और 19.7 प्रतिशत ओटावा में रखा था। अब दोनों जगहों पर यह हिस्सेदारी घटकर 18.5 प्रतिशत रह गई है। वहीं, लंदन में रखे सोने की हिस्सेदारी 18.1 प्रतिशत से बढक़र 32.1 प्रतिशत हो गई है। नीदरलैंड्स में 30.8 प्रतिशत सोना अभी भी रखा हुआ है।

खगांतक-243 बम का सफल ड्रॉप टेस्ट

नई दिल्ली(ईएमएस)। इंडियन एयरफोर्स ने स्वदेशी लॉन्ग रेंज ग्लाइड बम खगांतक-243 का सफल ड्रॉप टेस्ट किया है। इससे भारत की स्वदेशी हमला करने की क्षमता बढ़ेगी। इसमें 125 किलो का एमके-81 वॉरहेड लगाया गया है। यह बम 144 से 180 किलोमीटर की रेंज तक हमला कर सकता है। इसकी मदद से लड़ाकू विमान दुश्मन के एयर डिफेंस सिस्टम की सीमा में गए बिना दूर के लक्ष्यों को निशाना बना सकते हैं। खगांतक-243 को नागपुर की स्टार्टअप कंपनी जेएसआर डायनेमिक्स ने भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के साथ मिलकर बनाया है। इंडियन एयरफोर्स ने इसका पहला टेस्ट पोखरण में सुखोई एसयू-30 एमकेआई से किया था। इसे मिग-29के और मिराज-2000 लड़ाकू विमानों में भी शामिल करने की योजना है। एयरफोर्स ने खगांतक-243 के लिए बीईएल को सीमित संख्या में प्रोडक्शन का ऑर्डर भी दिया है।

केन्द्रीय गृह सचिव ने हिमालयी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेश की जीएलओएफ और हिमस्खलन से निपटने की तैयारियों की समीक्षा की

पीआईबी दिल्ली, 3 सितंबर। केन्द्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने आज नई दिल्ली में हिमालयी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों की ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड (जीएलओएफ) और हिमस्खलन के जोखिमों से निपटने की तैयारियों की समीक्षा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के मुख्य सचिवों तथा राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों के प्रतिनिधियों के साथ-साथ गृह मंत्रालय, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, केंद्रीय जल आयोग, भारत मौसम विज्ञान विभाग और रक्षा भू-सूचना विज्ञान अनुसंधान प्रतिष्ठान के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में हिमालयी क्षेत्र में जीएलओएफ के उभरते जोखिमों की समीक्षा की गई। इस दौरान प्रारंभिक चेतावनी, संवेदनशील ग्लेशियल झीलों और बर्फ से ढके क्षेत्रों की निगरानी, उच्च जोखिम वाले स्थानों की पहचान, संभावित जल-प्रवाह मार्गों का निर्धारण, चेतावनियों का समय पर प्रसार, निकासी की तैयारियों तथा प्रतिक्रिया तंत्र को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया।

राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों ने संवेदनशील ग्लेशियल झीलों की निगरानी, प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों को मजबूत करने, चेतावनियों के अंतिम छोर तक समयबद्ध प्रसार में सुधार, जल-प्रवाह मार्गों की योजना, सामुदायिक स्तर पर तैयारियों तथा संवेदनशील क्षेत्रों में आवश्यक प्रतिक्रिया संसाधनों की तैनाती सहित अपनी-अपनी तैयारियों और शमन रणनीतियों से अवगत कराया।

राज्य/केंद्र शासित प्रदेश-विशिष्ट संवेदनशीलताओं और तैयारियों के उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि शमन संबंधी उपायों को जिला और स्थानीय स्तर पर ठोस कार्रवाई में परिणत किया जाए।

केंद्रीय गृह सचिव ने विशेष रूप से जोखिम की स्थिति बढ़ने के दौरान संवेदनशील ग्लेशियल झीलों तथा हिमस्खलन संभावित क्षेत्रों की निरंतर और सक्रिय निगरानी की आवश्यकता पर बल दिया। राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को सलाह दी गई कि वे राज्य की एजेंसियों, जिला प्रशासन तथा वैज्ञानिक एवं तकनीकी संस्थानों के बीच निकट समन्वय बनाए रखें, ताकि चेतावनियों पर तत्काल और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

केंद्रीय गृह सचिव ने जोर देकर कहा कि जीएलओएफ और हिमस्खलन से निपटने की तैयारियां केवल प्रतिक्रिया-केंद्रित उपायों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि इन्हें जोखिम-सूचित योजना, निवारक शमन उपायों और सामुदायिक स्तर की तैयारियों की दिशा में आगे बढ़ाया जाना चाहिए। राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को अपनी तैयारियों की योजनाओं की नियमित समीक्षा करने, प्रारंभिक चेतावनी एवं निकासी व्यवस्थाओं में मौजूद कमियों की पहचान करने तथा किसी भी चरम घटना से पहले आवश्यक सुधारात्मक उपाय करने की सलाह दी गई। उन्होंने यह भी कहा कि राज्यों के लिए केंद्र सरकार द्वारा वर्ष 2024 में स्वीकृत जीएलओएफ शमन परियोजना के कार्यान्वयन में तेजी लाई जानी चाहिए।

बैठक का समापन अंतर-एजेंसी समन्वय को निरंतर बनाए रखने, जोखिम संबंधी सूचनाओं के नियमित आदान-प्रदान तथा प्रारंभिक चेतावनी और प्रतिक्रिया तंत्र को और मजबूत करने के निर्देशों के साथ हुआ, ताकि संवेदनशील हिमालयी क्षेत्रों में जनहानि और संपत्ति के नुकसान को न्यूनतम किया जा सके।

राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय ने विभिन्न सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षणों की जारी की सूचना

पीआईबी अहमदाबाद, 3 सितंबर। भारत सरकार के सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय (एनएसओ) का फील्ड ऑपरेशन्स डिवीजन साल 1950 से घरों और विभिन्न संस्थानों से अलग-अलग तरह की सांख्यिकीय जानकारी इकट्ठा कर रहा है। इस जानकारी का इस्तेमाल नेशनल और स्टेट लेवल पर डेवलपमेंट प्लान बनाने और पॉलिसी बनाने के लिए किया जाता है। इस दौरान इस विभाग ने देश भर में सैंपल सर्वे के जरिए अलग-अलग सामाजिक-आर्थिक पैरामीटर पर एक मजबूत सांख्यिकीय डेटाबेस बनाने में अहम योगदान दिया है। जिसके आधार पर केंद्र और राज्य सरकारों को डेवलपमेंट प्लान और पॉलिसी बनाने में असरदार मदद मिली है। जानकारी एनएसओ के ट्रेंड अधिकारियों द्वारा इकट्ठा की जाती है। इसके लिए वे ई-सिग्मा सॉफ्टवेयर वाले हैंडहेल्ड डिजिटल डिवाइस (टैबलेट) के साथ-साथ इंडस्ट्री सर्वे के लिए बनाए गए एक सुरक्षित वेब पोर्टल का इस्तेमाल करते हैं। अधिकारी साइंटिफिक तरीके से बनाए गए सैंपलिंग तरीके के आधार पर चुने गए घरों, इंडस्ट्री, गांवों और शहरी ब्लॉक का दौरा करते हैं। घरेलू सर्वे में, घर के मुखिया या घर के किसी जानकार सदस्य से जानकारी ली जाती है, जबकि इंडस्ट्री सर्वे में, जरूरी जानकारी ऑथराइज़्ड व्यक्ति या जगह के मालिक द्वारा दी जाती है। राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय 1 जुलाई, 2026 से सामाजिक-आर्थिक सर्वे के 81वें राउंड के तहत पूरे देश में ऑल इंडिया डेट एंड इन्वेस्टमेंट सर्वे (एआईडीआईएस), सिचुएशन असेसमेंट सर्वे (एसएएस) और माइग्रेशन सर्वे कर रहा है। एआईडीआईएस का मकसद घरों के एसेट्स, कर्ज, इन्वेस्टमेंट, लायबिलिटीज और उनकी पूरी फाइनेंशियल स्थिति के बारे में जानकारी इकट्ठा करना है। एसएएस का मकसद खेती करने वाले घरों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति, खेती और उससे जुड़े कामों से होने वाली इनकम, खेती का खर्च, पशुधन, कर्ज की स्थिति, सरकारी स्कीमों तक पहुंच और किसानों की रोजी-रोटी के बारे में जानकारी इकट्ठा करना है। इस जानकारी का इस्तेमाल खेती और ग्रामीण विकास से जुड़ी पॉलिसी बनाने में किया जाएगा। माइग्रेशन सर्वे का मकसद देश में माइग्रेशन के प्रकार और कारणों, रोजगार, शिक्षा, शादी और माइग्रेंट परिवारों की दूसरी सामाजिक और आर्थिक खासियतों के बारे में भरोसेमंद जानकारी इकट्ठा करना है। इसके अलावा पीरियोडिक लेबर फोर्स सर्वे (पीएलएफएस) रोजगार, बेरोजगारी, लेबर फोर्स पार्टिसिपेशन और लेबर मार्केट के दूसरे मुख्य इंडिकेटर्स के बारे में भरोसेमंद जानकारी इकट्ठा करता है, जो सबूतों पर आधारित पॉलिसी बनाने और रोजगार प्लानिंग के लिए एक जरूरी आधार देता है। इसी तरह अनइनकॉरपोरेटेड सेक्टर एंटरप्राइजेज का एनुअल सर्वे (एएसयूएसई) नॉन-एग्रीकल्चरल अनइनकॉरपोरेटेड इंडस्ट्रीज के कामकाज, रोजगार, वैल्यू एडिशन और फाइनेंशियल परफॉर्मेंस के बारे में पूरी जानकारी इकट्ठा करता है, जो अनऑर्गनाइज्ड सेक्टर के विकास के लिए असरदार पॉलिसी बनाने में एक जरूरी मदद है। सितंबर 2026 के दौरान भावनगर के सब-रीजनल ऑफिस के अधिकार क्षेत्र में चुने हुए इलाकों में ये सर्वे किए जाएंगे।

इसके तहत एआईडीआईएस और एसएएस के तहत भावनगर एमसी, सोडावदरा, जालिया अमराजी और मोती जगधार में सर्वे किए जाएंगे। माइग्रेशन सर्वे के तहत तलाजा और गोरखी में डेटा इकट्ठा किया जाएगा। पीएलएफएस के तहत भावनगर, नवागाम नंबर 1 (वल्लभीपुर), महुवा और सोसिया (तलाजा) के चुने हुए घरों से डेटा इकट्ठा किया जाएगा। एनुअल सर्वे ऑफ अनइनकॉरपोरेटेड सेक्टर इंडस्ट्रीज के तहत भावनगर में मौजूद चुनी हुई इंडस्ट्रीज से डेटा इकट्ठा किया जाएगा। नेशनल हाउसहोल्ड इनकम सर्वे के तहत भूतेश्वर में डेटा इकट्ठा किया जाएगा। कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स (सीपीआई) सर्वे के तहत, चोगठ, वल्लभीपुर, महुवा, खदरपर, तलाजा, गोरखी, मोटी वावड़ी और गारियाधार में कीमत से जुड़ा डेटा इकट्ठा किया जाएगा। जबकि पीएलएफएस के तहत अमरेली और खंभा के चुने हुए घरों से डेटा इकट्ठा किया जाएगा। एएसयूएसई के तहत गजेरा कॉम्प्लेक्स, चक्करगढ़ रोड एरिया, अमरेली और धराई, बरमण मोटा, कडियाली और धारी के पास मौजूद चुनी हुई इंडस्ट्रीज से डेटा इकट्ठा किया जाएगा। सीपीआई सर्वे के तहत डूंगर, चीतल, अमरेली, चमारडी और बाबरा से कीमत से जुड़ा डेटा इकट्ठा किया जाएगा। इसके बाद बोटाड जिला में एआईडीआईएस और एसएएस के तहत सर्वे बोटाड और वावड़ी में किया जाएगा। माइग्रेशन सर्वे के तहत गढडा, अदाराला, बरवाला, रोजिद और रानपुर से डेटा इकट्ठा किया जाएगा। पीरियोडिक लेबर फोर्स सर्वे के तहत गढडा और गुंडाला (गढडा) के चुने हुए घरों से डेटा इकट्ठा किया जाएगा। अनइनकॉरपोरेटेड सेक्टर इंडस्ट्रीज के एनुअल सर्वे के तहत फाटक, भावनगर रोड, बोटाद और बागड़ गांवों में मौजूद चुनी हुई इंडस्ट्रीज से डेटा इकट्ठा किया जाएगा। नेशनल हाउसहोल्ड इनकम सर्वे के तहत बोटाद, लाथीदड और विरावाड़ी में डेटा इकट्ठा किया जाएगा। कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स सर्वे के तहत कीमतों से जुड़ा डेटा सरवा और बोटाद में इकट्ठा किया जाएगा।

दूसरी ओर दीव जिला में ऑल इंडिया डेट एंड इन्वेस्टमेंट सर्वे और सिचुएशन असेसमेंट सर्वे के तहत दीव और बुचरवाडा में सर्वे किया जाएगा। माइग्रेशन सर्वे के तहत दीव और झोलावाडी में डेटा इकट्ठा किया जाएगा। अनइनकॉरपोरेटेड सेक्टर इंडस्ट्रीज के एनुअल सर्वे के तहत फोर्ट रोड मार्केट एरिया, दीव और सूरज वाव चौक, दीव और बुचरवाडा गांवों में मौजूद चुनी हुई इंडस्ट्री से डेटा इकट्ठा किया जाएगा। नेशनल हाउसहोल्ड इनकम सर्वे के तहत दीव और झोलावाडी में डेटा इकट्ठा किया जाएगा। कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स सर्वे वणाकबारा, बुचरवाडा, झोलावाडी, साउदवाड़ी, दीव और घोघला में कीमत से जुड़ी जानकारी इकट्ठा करेगा। इन सभी सर्वे के तहत इकट्ठा की गई सभी जानकारी पूरी तरह से कॉन्फिडेंशियल रखी जाती है। सर्वे में हिस्सा लेने वाले घरों और जगहों की पहचान किसी भी रिपोर्ट या पब्लिश किए गए आंकड़ों में नहीं बताई जाती है। इकट्ठा की गई जानकारी का इस्तेमाल सिर्फ स्टैटिस्टिकल मकसद के लिए किया जाता है। इसलिए, भारत सरकार सभी नागरिकों और इंडस्ट्री/संस्थाओं से रिक्वेस्ट करती है कि वे सर्वे अधिकारियों को पूरा सहयोग दें और सही और पूरी जानकारी देने के लिए अपना कीमती समय दें। देश के हित में ज्यादा सही प्लानिंग, असरदार पॉलिसी बनाने और पूरे विकास के लिए सभी नागरिकों और इंडस्ट्री की एक्टिव भागीदारी बहुत जरूरी है।

दानह में स्कूल-कॉलेजों के आसपास तंबाकू बिक्री पर सख्ती:100 मीटर के दायरे में प्रतिबंध

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा, 3 सितंबर। दादरा नगर हवेली जिले में विद्यार्थियों के स्वास्थ्य और भविष्य को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने तंबाकू उत्पादों की बिक्री, भंडारण और वितरण पर कड़ी कार्रवाई का आदेश जारी किया है। उप-विभागीय मजिस्ट्रेट अमित कुमार ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत यह आदेश जारी किया है। आदेश के अनुसार, जिले के सभी सरकारी स्कूलों, कॉलेजों, शैक्षणिक संस्थानों तथा सरकारी अस्पतालों की सीमाओं से 100 मीटर के दायरे में सिगरेट, गुटखा, पान, बीड़ी सहित अन्य तंबाकू उत्पादों की बिक्री, भंडारण और वितरण पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। प्रशासन ने आदेश में कहा है कि दादरा नगर हवेली जिले में बड़ी संख्या में विद्यार्थी विभिन्न स्कूलों, कॉलेजों और शैक्षणिक संस्थानों में अध्ययन कर रहे हैं। ऐसे में संस्थानों के आसपास दुकानों एवं अन्य स्थानों पर तंबाकू उत्पादों की उपलब्धता विद्यार्थियों के स्वास्थ्य तथा समाज पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है। इसी को ध्यान में रखते हुए प्रतिबंधित क्षेत्र में तंबाकू की बिक्री और सेवन को रोकने के लिए यह कदम उठाया गया है। आदेश का उल्लंघन करने वालों के लिए अलग-अलग जुर्माने का प्रावधान किया गया है। प्रतिबंधित 100 मीटर क्षेत्र में यदि कोई दुकान तंबाकू उत्पाद बेचते या स्टॉक करते हुए पाई जाती है, तो 2,000 रूपये का जुर्माना लगाया जाएगा। वहीं, प्रतिबंधित क्षेत्र में किसी व्यक्ति के पास सिगरेट, गुटखा, पान या बीड़ी जैसे तंबाकू उत्पाद पाए जाने पर 300 रूपये का दंड निर्धारित किया गया है। प्रतिबंधित क्षेत्र में गुटखा या पान मसाला चबाते हुए पाए जाने पर 500 रूपये, जबकि वहां गुटखा या पान मसाला थूकने पर 1,000 रूपये का जुर्माना लगाया जाएगा। कार्रवाई के लिए ग्राम पंचायत, जिला पंचायत, सिलवासा नगरपालिका के पर्यवेक्षण एवं फील्ड स्टाफ, चिकित्सा विभाग, कार्यकारी मजिस्ट्रेट, मामलतदार, पर्यटन विभाग, आबकारी निरीक्षक और पुलिस कर्मियों सहित विभिन्न अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अधिकृत किया गया है। अधिकृत कर्मचारी नियमों का उल्लंघन करने वाले विक्रेताओं या व्यक्तियों से तंबाकू उत्पादों को जप्त भी कर सकेंगे। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू किया गया है और 1 सितंबर से 31 अक्टूबर 2026 तक प्रभावी रहेगा, जब तक इसे पहले वापस न लिया जाए। आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के तहत भी कार्रवाई की जा सकती है। प्रशासन की इस कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य शैक्षणिक संस्थानों के आसपास तंबाकू उत्पादों की पहुंच रोककर विद्यार्थियों को नशे की आदत से दूर रखना और स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित करना है।

दीव पुलिस ने अवैध शराब के साथ जप्त की इनोवा क्रिस्टा गाड़ी

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव, 3 सितंबर। दीव पुलिस ने अवैध शराब के साथ इनोवा कार जप्त की है। पुलिस द्वारा जारी प्रेसनोट में बताया गया है कि दीव पुलिस ने लोगों की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुरक्षा के उपाय तेज कर दिए हैं। इन उपायों के तहत पूरे जिले में खासकर ऑड आवर्स में ज्यादा पेट्रोलिंग, भीड़-भाड़ वाले इलाकों में निगरानी बढ़ाई जा रही है और चेक-पोस्ट पर कड़ी जांच की जा रही है। इसी क्रम में 03/09/2026 को लगभग 00:15 बजे दीव पुलिस स्टेशन के इलाके में रूटीन पेट्रोलिंग करते समय दीव पुलिस के स्पेशल स्टाफ को गैर-कानूनी शराब के ट्रांसपोर्टेशन के बारे में पक्की सूचना मिली। जानकारी पर तुरंत कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम गंगेश्वर-फुदम स्मशान रोड की ओर बढ़ी। जहाँ उन्हें एक ग्रे-रंग की रजिस्ट्रेशन नं. जीजे-27-एपी-9968 की इनोवा क्रिस्टा गाड़ी मिली। यह गाडी लावारिस और संदिग्ध हालत में खड़ी थी। पुलिस टीम ने आस-पास के इलाके की जाँच की, लेकिन गाड़ी का मालिक या उसमें बैठे लोग नहीं मिले। गाड़ी के दरवाजे खुले मिले और गाड़ी के अंदर काले प्लास्टिक के बैग देखे गए। बैग की जाँच करने पर कुछ मात्रा में गैर-कानूनी इंडियन मेड फॉरेन लिकर बरामद हुई। बरामद की गई शराब का मकसद गुजरात राज्य में गैर-कानूनी तरीके से ट्रांसपोर्टेशन करना था। कुल मिलाकर काफी मात्रा में गैर-कानूनी आईएमएफएल जप्त की गई। जप्त की गई शराब, इनोवा क्रिस्टा गाड़ी के साथ कानून के मुताबिक आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू करने के लिए दीव के एक्साइज विभाग को सौंप दी गई। जप्त हुई शराब की कीमत लगभग 64,000 रूपये और इनोवा क्रिस्टा गाड़ी की कीमत लगभग 12,00,000 रूपये आंकी है। जप्त की गई शराब एक्साइज विभाग को सौंप दी गई है और आगेकी कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

सिलवासा में प्रमुख स्थलों और जिला सचिवालय के आसपास सार्वजनिक आयोजनों पर रोक

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा, 3 सितंबर। दादरा नगर हवेली जिला प्रशासन ने यातायात व्यवस्था और कानून-व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के उद्देश्य से सिलवासा के प्रमुख यातायात जंक्शनों तथा जिला सचिवालय के आसपास सार्वजनिक बैठकों, धरना-प्रदर्शन और सभाओं पर प्रतिबंध लगाया है। यह आदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत उप-विभागीय मजिस्ट्रेट अमित कुमार द्वारा जारी किया गया है। आदेश तत्काल प्रभाव से लागू किया गया है और 1 सितंबर से 31 अक्टूबर 2026 तक प्रभावी रहेगा, जब तक कि इसे पहले वापस न लिया जाए। प्रशासन के अनुसार सिलवासा-नरोली चार रास्ता (शहीद चौक), झंडा चौक और किलवणी नाका जिले के सबसे व्यस्त यातायात जंक्शनों में शामिल हैं। इन स्थानों पर किसी भी प्रकार का व्यवधान उत्पन्न होने से जिले के विभिन्न क्षेत्रों के बीच संपर्क प्रभावित होने के साथ-साथ आम जनता को भी असुविधा होती है। इसके अलावा वाहनों के सुचारु आवागमन पर असर पड़ने और जिला सचिवालय स्थित संवेदनशील कार्यालयों की सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका को देखते हुए प्रशासन ने यह कदम उठाया है। जारी आदेश के मुताबिक जिला सचिवालय परिसर तथा सिलवासा-नरोली चार रास्ता (शहीद चौक), झंडा चौक और किलवणी नाका से 100 मीटर के दायरे में किसी भी निजी संस्था, संगठन, राजनीतिक दल या समूह द्वारा सार्वजनिक बैठक, धरना, सभा अथवा किसी कार्यक्रम या आंदोलन के लिए लोगों का एकत्र होना प्रतिबंधित रहेगा। ऐसे किसी भी आयोजन के लिए जिला मजिस्ट्रेट की पूर्व अनुमति आवश्यक होगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि इस प्रतिबंध का उद्देश्य किसी कार्यक्रम को अनावश्यक रूप से रोकना नहीं, बल्कि संभावित अवांछित घटनाओं को रोकना, कानून-व्यवस्था बनाए रखना और यातायात के निर्बाध संचालन को सुनिश्चित करना है। आदेश का पालन सुनिश्चित करने के लिए दादरा नगर हवेली पुलिस अधीक्षक को जिला सचिवालय में 24 घंटे पर्याप्त संख्या में पुलिसकर्मियों की तैनाती करने के निर्देश दिए गए हैं। आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के तहत कार्रवाई की जा सकती है। प्रशासन ने नागरिकों, राजनीतिक संगठनों और विभिन्न समूहों से आदेश का पालन करने तथा निर्धारित अवधि के दौरान बिना पूर्व अनुमति किसी भी सार्वजनिक आयोजन से बचने की अपील की है।

Adv. for applicant Hemlata. G. Baria
Next date: 03/10/2026

PUBLIC NOTICE

IN THE COURT OF THE HON'BLE CIVIL JUDGE SENIOR DIVISION, DIU, AT: DIU.

CNR-UTDD02-000608-2026
C. M. A. No. 338/2026

1. Ramesh Argi & Anr. .... Applicant/s

Vs

The Civil Registrar Diu. .... Opponent/s

The public at large to take note that applicants above named have filed application for rectification of their marriage records under Article 3 read with article 97 & 98 of Portuguese Civil Registration Code.

Whereas they intendant to rectify the date of marriage / their names / their parents names previously registered in the record of marriage kept and preserved by Civil Registrar Office, Diu, against Marriage Entry No. 427, dated: 14/08/2009

Therefore, if anybody has any objection for rectification of the marriage record of Civil Registrar Diu, shall appear either in person or through advocate and file written objection within 30 days of publication of this notice. If objection of whatsoever nature is not registered before this Hon'ble Court then necessary order will be passed and objection if any raised afterwards shall not be considered.

Place: Diu.
Date: 02/09/2026

CIVIL JUDGE S.D. COURT DIU

By Order
A.S. / Superintendent,
Diu

CHANGE OF NAME

I HAVE CHANGED OLD NAME FROM HEMANTKUMAR PARIKH / PARIKH HEMANTKUAMR TO **NEW NAME HEMANT RAMESHCHANDRA PARIKH** & I WILL BE KNOWN AS NEW NAME WHICH PLEASE NOTE.
SD : HEMANT RAMESHCHANDRA PARIKH
ADDRESS : - G-407, PRAMUKH GARDEN, OPP. YOGI HOSPITAL, AMLI, SILVASSA, DNH.

U. T. ADMINISTRATION OF DADRA & NAGAR HAVELI AND DAMAN & DIU

DIU MUNICIPAL COUNCIL - DIU
NOTICE INVITING TENDER

1. Supply, Installation, Testing & Commissioning of Solar Led Street Lights in Diu Municipal Area, Diu District.

Tender No.	: DMC/DIU/AB/TC/2026-2027/673
Start date id submission	: 31/08/2026 at 13.00 Hrs
Last date for physical submission	: 09/09/2026 at 14:30 Hrs
Bid opening date	: 11/09/2026 at 16:00 Hrs

www.diu.gov.in
dmc-diu-dd@nic.in
02875-252126

Chief Officer, Diu Municipal Council, Diu

No: IP/DMN/2/5/2026-27/472 Dtd.3/9/2026

Bharat Express
Diu To Daman - Silvassa
Baroda -Bharuch -Ankleshwar -Surat.
Navsari -Chikhli -Valsad -KillaPardi
Vapi -Bhilad -Mumbai -Ahmedabad

Office
02875
225990
Mo.9426989796
Mo.9104980990

जन्माष्टमी का संदेश: उत्सव से आगे बढ़कर कृष्ण के कर्मयोग को जीवन में उतारें

कांतिलाल मांडोत

श्रीकृष्ण का व्यक्तित्व अनेक आयामों से बना था। वे केवल आध्यात्मिक पुरुष नहीं थे और न ही केवल युद्धभूमि के मार्गदर्शक। वे समाज को समझने वाले रणनीतिकार, अन्याय के विरोधी, मित्रता को निभाने वाले संवेदनशील व्यक्ति और समय की आवश्यकता के अनुसार निर्णय लेने वाले कर्मयोगी थे। उनके जीवन में जहां प्रेम और करुणा दिखाई देती है, वहीं अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध दृढ़ता भी दिखाई देती है। यही संतुलन उनके व्यक्तित्व को विशिष्ट बनाता है।

जन्माष्टमी केवल भगवान श्रीकृष्ण के जन्म का उत्सव नहीं है, बल्कि यह उस जीवन-दर्शन को याद करने का अवसर है, जिसने कर्म, कर्तव्य, न्याय, करुणा और लोककल्याण को धर्म के केंद्र में स्थापित किया। भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी को मनाया जाने वाला यह पर्व भारतीय जनमानस में सदियों से आस्था, उल्लास और आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक रहा है। मंदिरों में सजावट होती है, झांकियां निकलती हैं, भजन गूंजते हैं और आधी रात को भगवान श्रीकृष्ण के जन्म का उत्सव मनाया जाता है। लेकिन जन्माष्टमी का वास्तविक महत्व तभी पूरा होगा, जब उत्सव के साथ श्रीकृष्ण के जीवन-मूल्यों को भी अपने आचरण का हिस्सा बनाया जाए।

श्रीकृष्ण का जीवन असाधारण परिस्थितियों से शुरू होकर कर्म और संघर्ष की ऐसी यात्रा बनता है, जो आज भी मनुष्य को कठिन समय में सही रास्ता चुनने की प्रेरणा देती है। उनका जन्म किसी राजमहल के सुख-सुविधापूर्ण वातावरण में नहीं हुआ। वे कारागार में जन्मे और बाल्यकाल का बड़ा हिस्सा सामान्य ग्रामीण परिवेश में बीता। परिस्थितियां उनके अनुकूल नहीं थीं, लेकिन उन्होंने परिस्थितियों को अपने व्यक्तित्व की सीमा नहीं बनने दिया। यही श्रीकृष्ण के जीवन का पहला बड़ा संदेश है कि मनुष्य की पहचान उसके सामने मौजूद कठिनाइयों से नहीं, बल्कि उन कठिनाइयों के बीच किए गए उसके कर्मों से होती है।

श्रीकृष्ण का व्यक्तित्व अनेक आयामों से बना था। वे केवल आध्यात्मिक पुरुष नहीं थे और न ही केवल युद्धभूमि के मार्गदर्शक। वे समाज को समझने वाले रणनीतिकार, अन्याय के विरोधी, मित्रता को निभाने वाले संवेदनशील व्यक्ति और समय की आवश्यकता के अनुसार निर्णय लेने वाले कर्मयोगी थे। उनके जीवन में जहां प्रेम और करुणा दिखाई देती है, वहीं अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध दृढ़ता भी दिखाई देती है। यही संतुलन उनके व्यक्तित्व को विशिष्ट बनाता है।

उनके जीवन से सबसे महत्वपूर्ण शिक्षा यह मिलती है कि अच्छाई को देखने वाली दृष्टि मनुष्य को भीतर से समृद्ध बनाती है। संसार में कोई भी व्यक्ति या परिस्थिति पूरी तरह दोषरहित नहीं होती। हर जगह अच्छाई और कमी दोनों मौजूद रहती हैं। ऐसे में यह मनुष्य पर निर्भर करता है कि वह अपनी ऊर्जा किस दिशा में लगाता है। दूसरों की कमियां खोजने में जीवन लगाने के बजाय यदि हम उनके भीतर मौजूद अच्छाइयों को पहचानना और उनसे सीखना शुरू करें, तो समाज में कटुता कम होगी और सहयोग की भावना मजबूत होगी। आज जब सामाजिक जीवन में आलोचना, आरोप और नकारात्मकता तेजी से बढ़ रही है, तब श्रीकृष्ण की यह सकारात्मक दृष्टि विशेष रूप से प्रासंगिक हो जाती है।

श्रीकृष्ण का जीवन करुणा को केवल भावना नहीं, बल्कि व्यवहार में बदलने की प्रेरणा देता है। किसी दूसरे व्यक्ति की कठिनाई को देखकर केवल संवेदना व्यक्त करना पर्याप्त नहीं है। वास्तविक मानवता तब है, जब हम अपनी क्षमता के अनुसार किसी की समस्या को कम करने का प्रयास करें। समाज में ऐसे लोगों की आवश्यकता है जो दूसरों के दुख को देखकर मुंह न फेरें, बल्कि सहायता के लिए आगे बढ़ें। आज आर्थिक असमानता, बेरोजगारी, अकेलापन और सामाजिक तनाव जैसी अनेक चुनौतियों के बीच परस्पर सहयोग की भावना ही समाज को मजबूत कर सकती है।

श्रीकृष्ण की मित्रता भी भारतीय संस्कृति में आदर्श मानी जाती है। सुदामा के साथ उनका संबंध यह बताता है कि सच्ची मित्रता में आर्थिक स्थिति, पद या प्रतिष्ठा का कोई स्थान नहीं होता। संबंध की गरिमा इस बात में है कि सामने वाले व्यक्ति को सम्मान मिले और उसकी आत्मसम्मान की रक्षा हो। आज के दौर में जब संबंधों को अक्सर लाभ और सुविधा की दृष्टि से देखा जाने लगा है, तब कृष्ण-सुदामा की मित्रता हमें रिश्तों की वास्तविक कीमत समझाती है।

श्रीकृष्ण का सबसे विराट संदेश भगवद्गीता के माध्यम से सामने आता है। कुरुक्षेत्र में अर्जुन के सामने जब कर्तव्य और मोह का संकट खड़ा हुआ, तब श्रीकृष्ण ने उसे कर्म का मार्ग समझाया। गीता का संदेश केवल युद्धभूमि तक सीमित नहीं है। हर मनुष्य के जीवन में ऐसे क्षण आते हैं, जब निर्णय लेना कठिन होता है। भय, मोह, असमंजस और परिणाम की चिंता व्यक्ति को उसके कर्तव्य से दूर कर सकती है। ऐसे समय में कर्म के प्रति निष्ठा और विवेक ही रास्ता दिखाते हैं। गीता का कर्मयोग इसी जीवन-संघर्ष के बीच मनुष्य को अपने दायित्व से विमुख न होने की प्रेरणा देता है।

श्रीकृष्ण की न्यायप्रियता भी उनके व्यक्तित्व का महत्वपूर्ण पक्ष है। महाभारत के प्रसंग में उन्होंने अंतिम क्षण तक संघर्ष टालने का प्रयास किया। उन्होंने समझौते और शांति का रास्ता खोजने की कोशिश की, लेकिन जब अन्याय और अहंकार के सामने कोई रास्ता नहीं बचा, तब धर्म की रक्षा के लिए संघर्ष आवश्यक हो गया। इसका अर्थ यह नहीं कि हर विवाद का समाधान संघर्ष है। इसका अर्थ यह है कि शांति का प्रयास अपनी जगह जरूरी है, लेकिन अन्याय को स्थायी रूप से स्वीकार कर लेना भी समाधान नहीं हो सकता। समाज में न्याय तभी स्थापित होगा, जब गलत के सामने सही बात कहने का साहस पैदा होगा।

आज के समय में श्रीकृष्ण के इस संदेश को नए संदर्भ में समझने की आवश्यकता है। भ्रष्टाचार, सामाजिक भेदभाव, हिंसा, शोषण, पर्यावरण संकट और सार्वजनिक जीवन में बढ़ती असंवेदनशीलता जैसी समस्याएं केवल कानून से समाप्त नहीं होंगी। इसके लिए नागरिकों के भीतर कर्तव्यबोध और नैतिक जिम्मेदारी भी विकसित करनी होगी। श्रीकृष्ण का कर्मयोग यही सिखाता है कि परिवर्तन की प्रतीक्षा करने के बजाय व्यक्ति स्वयं अपने हिस्से का सही कर्म करे।

श्रीकृष्ण का प्रकृति और पशुजगत से जुड़ा संबंध भी भारतीय सांस्कृतिक चेतना का महत्वपूर्ण हिस्सा है। गोपाल के रूप में उनकी छवि मनुष्य और प्रकृति के बीच आत्मीय संबंध की याद दिलाती है। आज जब पर्यावरण का संतुलन बिगड़ रहा है, जलस्त्रोत प्रदूषित हो रहे हैं और अनेक जीव-जंतु संकट में हैं, तब प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता को धार्मिक भावना से आगे बढ़ाकर जीवन-मूल्य बनाना होगा। जन्माष्टमी का संदेश तभी सार्थक होगा, जब हम अपने आसपास के पर्यावरण, पशुओं और प्राकृतिक संसाधनों के प्रति जिम्मेदारी निभाएं।

जन्माष्टमी के अवसर पर देशभर में होने वाले आयोजन भारतीय संस्कृति की जीवंतता का प्रमाण हैं। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी इस पर्व से जुड़ते हैं। मंदिरों की सजावट, सांस्कृतिक कार्यक्रम और कृष्ण की बाल लीलाओं पर आधारित प्रस्तुतियां वातावरण को उत्सवमय बना देती हैं। इन परंपराओं का अपना सांस्कृतिक महत्व है और इन्हें बनाए रखना आवश्यक भी है। लेकिन उत्सव का उद्देश्य केवल मनोरंजन या धार्मिक औपचारिकता तक सीमित नहीं होना चाहिए। पर्व तभी समाज को नई दिशा देते हैं, जब वे हमारे व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन पैदा करें।

आज आवश्यकता इस बात की है कि जन्माष्टमी पर हम अपने भीतर के कृष्ण को पहचानने का प्रयास करें। इसका अर्थ किसी धार्मिक कल्पना तक सीमित नहीं है, बल्कि विवेक, साहस, करुणा, न्याय और कर्म की उस चेतना को जगाना है, जिसकी आवश्यकता हर व्यक्ति को होती है। यदि कोई व्यक्ति अपने परिवार के प्रति जिम्मेदार बनता है, अपने काम को ईमानदारी से करता है, कमजोर की सहायता करता है, अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाता है और दूसरों की अच्छाइयों से सीखता है, तो वह श्रीकृष्ण के कर्मयोग को अपने जीवन में उतार रहा है।

वर्तमान समय में समाज को ऐसे ही कर्मयोग की जरूरत है। केवल यह कहना पर्याप्त नहीं कि श्रीकृष्ण महान थे। उनके महान होने का उत्सव मनाने से अधिक जरूरी है कि उनके जीवन से निकली प्रेरणाओं को वर्तमान जीवन की समस्याओं से जोड़ा जाए। आज यदि हम गीता पढ़ते हैं तो उसके कर्मयोग को समझें, यदि कृष्ण की पूजा करते हैं तो उनके न्यायबोध को याद रखें, यदि उनकी बाल लीलाओं का उत्सव मनाते हैं तो उनकी करुणा और सरलता को भी अपने जीवन में स्थान दें।

जन्माष्टमी हमें यह अवसर देती है कि हम अपने भीतर झांकें और पूछें कि हमारा कर्म किस दिशा में जा रहा है। क्या हम केवल अपने हित के बारे में सोच रहे हैं या समाज के प्रति भी हमारी कोई जिम्मेदारी है? क्या हम दूसरों की कमियां गिनाने में लगे हैं या उनकी अच्छाइयों को पहचान रहे हैं? क्या हम अन्याय देखकर चुप रहते हैं या उचित तरीके से उसका विरोध करते हैं? इन सवालों के जवाब ही जन्माष्टमी के वास्तविक अर्थ को सामने ला सकते हैं।

श्रीकृष्ण का जीवन बताता है कि महानता परिस्थितियों से नहीं, दृष्टि और कर्म से पैदा होती है। उन्होंने जीवन के हर मोड़ पर परिस्थितियों का सामना किया और अपने कर्म से रास्ता बनाया। इसलिए जन्माष्टमी का सबसे बड़ा संदेश यही है कि हम उत्सव की रोशनी को अपने आचरण तक पहुंचाएं। मंदिरों में दीप जलें, घरों में खुशियां आएं और मन में कृष्ण के कर्मयोग का प्रकाश भी जले। यदि जन्माष्टमी हमें अधिक संवेदनशील, अधिक जिम्मेदार, अधिक न्यायप्रिय और अधिक कर्मठ बना सके, तभी इस पर्व का उत्सव वास्तव में सार्थक माना जाएगा।

कृष्ण जन्माष्टमी इसलिए केवल कैलेंडर की एक धार्मिक तिथि नहीं है। यह आत्मचिंतन का अवसर है, कर्म के प्रति जागने का अवसर है और उस जीवन-दृष्टि को अपनाने का अवसर है, जो व्यक्ति को स्वयं से ऊपर उठकर समाज और मानवता के लिए जीना सिखाती है। यही कृष्ण का संदेश है और यही जन्माष्टमी की सबसे बड़ी सार्थकता भी।

(वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार स्तम्भकार)

संपादकीय

एसआईआर के सवाल

निस्संदेह, किसी लोकतंत्र में चुनाव प्रक्रिया पारदर्शी व निष्पक्ष होनी चाहिए। साथ ही मतदाताओं की विश्वसनीयता भी उतनी जरूरी है ताकि वाजिब वोट ही चुनाव प्रक्रिया में निर्णायक भूमिका निभाए। इसी आलोक में नौ राज्यों व तीन केंद्रशासित प्रदेशों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर प्रक्रिया को लेकर उठ रहे सवाल तार्किक समाधान मांगते हैं। इस प्रक्रिया में तुरत-फुरत की कार्यनीति के चलते कई राज्यों में अफरा-तफरी का आलम नजर आता है। जिसका दबाव जमीनी स्तर पर इस प्रक्रिया से जुड़े अधिकारियों पर पड़ रहा है। कई बूथ स्तरीय अधिकारी यानी बीएलओ बेहद तनाव में नजर आ रहे हैं। इनका कार्य मतदाता सूचियों को अपडेट करना है। पश्चिम बंगाल और कई अन्य राज्यों में कम समय में अधिक काम के दबाव के चलते कुछ बीएलओ के मरने व आत्महत्या करने के मामले सामने आए हैं। आरोप है कि उनके वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा ही नहीं बल्कि सत्तारूढ़ और विपक्षी दलों द्वारा भी उन्हें परेशान किए जाने का आरोप है। हालांकि, इस अव्यवस्था के चलते ही चुनाव आयोग ने अब एसआईआर के कार्यक्रम को एक सप्ताह के लिए और बढ़ा दिया है। लेकिन कहना कठिन है कि इस कदम से बीएलओ का तनाव कम करने या विभिन्न हितधारकों की आशंकाओं को दूर करने में कोई खास मदद मिल सकेगी। कहा जा रहा है कि एक माह पहले शुरू हुई राष्ट्रव्यापी एसआईआर प्रक्रिया में कई तरह की बाधाएं आ रही हैं। इस प्रक्रिया में करीब 51 करोड़ मतदाता शामिल हैं, जो तकरीबन भारतीय आबादी का एक-तिहाई से भी ज्यादा। उनकी शिनाख्त से जुड़ी जानकारी को एक निश्चित समय सीमा में प्रमाणित कर पाना आसान नहीं है। कहा जा रहा है कि निर्धारित समय-सीमा व्यावहारिक नहीं है। तीन महीने की अवधि में गणना प्रपत्रों का वितरण, उसके बाद मसौदा मतदाता सूची का प्रकाशन और फिर अंतिम मतदाता सूची जारी करना आसान काम नहीं है। बहुत तेजी से काम को अंजाम देने का जिम्मा अधिकारियों पर अतिरिक्त दबाव बना रहा है।

निस्संदेह, स्वतंत्र-निष्पक्ष चुनावों हेतु मतदाता सूचियों का शुद्धीकरण एक अनिवार्य शर्त है। लेकिन महत्वपूर्ण काम को जल्दबाजी में नहीं किया जाना चाहिए। मतदाता को यह सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त समय मिले ताकि उनके नाम सूचियों में सही ढंग से दर्ज हो सकें। यही बात बीएलओ के लिए भी लागू होती है, ताकि वे अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत या दोहराव वाले मतदाताओं का डेटा संकलित करने के लिए बूथ-स्तरीय एजेंटों के साथ मिलकर सुचारु रूप से काम कर सकें। यदि एसआईआर की प्रक्रिया किसी विवाद में उलझी रहती है तो इस अभियान का उद्देश्य ही विफल हो सकता है। बिहार की एसआईआर प्रक्रिया के घटनाक्रमों से मिले सबक को अन्य राज्यों में इस प्रक्रिया के दौरान याद रखा जाना चाहिए। निस्संदेह, स्तरहीन व संदिग्ध एसआईआर हमारे चुनावी लोकतंत्र की विश्वसनीयता को ठेस पहुंचा सकता है। उल्लेखनीय है कि विशेष गहन पुनरीक्षण की यह प्रक्रिया मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, केरल, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, गोवा, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल आदि राज्यों तथा अंडमान-निकोबार, लक्ष्यद्वीप व पुडुचेरी केंद्रशासित प्रदेशों में जारी है। उल्लेखनीय है कि जहां बीएलओ पर कार्यदबाव व समय सीमा को लेकर सवाल उठ रहे हैं, वहीं कई राज्यों में बीएलओ के खिलाफ मामले दर्ज करने के भी आरोप लगे हैं। इन अधिकारियों का आरोप है कि अतिरिक्त कार्य-दबाव का उनके शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर डाल रहा है। वहीं चुनाव आयोग का आरोप है कि कुछ अधिकारियों की लापरवाही के चलते प्रक्रिया की निष्पक्षता व पारदर्शिता प्रभावित हो रही है। वैसे यदि वास्तव में बीएलओ पर अतिरिक्त दबाव है तो चुनाव आयोग को इस मुद्दे का समाधान संवेदनशील ढंग से करना चाहिए। वहीं दूसरी ओर मतदाता पहचान से जुड़े प्रमाणपत्रों को जुटाने में आ रही परेशानियों के चलते लोग भी बीएलओ पर दबाव बनाते हैं। कई राज्यों में बीएलओ संगठनों ने प्रदर्शन करके अधिक समय दिए जाने की मांग भी की है। कुछ लोग चुनाव आयोग की जल्दबाजी को लेकर सवाल उठा रहे हैं। उनका कहना है कि दो-तीन महीने का काम एक माह में पूरा नहीं किया जा सकता। वे समय पर दायित्व न निभा पाने वाले बीएलओ के खिलाफ कानूनी कार्रवाई को अनुचित बताते हैं।

शिक्षा कोरी नियुक्ति ही नहीं, मुक्ति का माध्यम बने

ललित गर्ग

शिक्षक दिवस केवल शिक्षकों के सम्मान का अवसर नहीं, बल्कि भारत की शिक्षा-दृष्टि, शिक्षक की भूमिका और भावी पीढ़ी के निर्माण पर गंभीर आत्ममंथन का दिन है। किसी राष्ट्र का भविष्य केवल उसके विद्यालयों की संख्या, भवनों की भव्यता, पुस्तकों की उपलब्धता या परीक्षाओं के परिणामों से निर्धारित नहीं होता, बल्कि इस बात से तय होता है कि उसके विद्यालयों से निकलने वाला मनुष्य कितना ज्ञानवान, विवेकशील, संवेदनशील, चरित्रवान और उत्तरदायी है। इसलिए आज देश में केवल शिक्षा क्रांति की नहीं, बल्कि शिक्षक क्रांति की भी आवश्यकता है। यदि शिक्षा का स्वरूप बदलना है तो शिक्षा देने वाले व्यक्ति की चेतना, दृष्टि और कार्यशैली में भी परिवर्तन लाना होगा। पूरे देश में समान गुणवत्ता वाली शिक्षा की दिशा में प्रयास तभी सफल होंगे, जब प्रत्येक बच्चे को समान अवसर के साथ योग्य, संस्कारवान और प्रतिबद्ध शिक्षक मिलें। भारत की परंपरा में शिक्षा का अर्थ कभी केवल सूचना और रोजगार प्राप्त करना नहीं रहा। हमारी ज्ञान-परंपरा में गुरु वह था जो अज्ञान के अंधकार से ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाता था। 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' भारतीय शिक्षा-दृष्टि की मूल चेतना को भी व्यक्त करता है। विद्या वह है जो मनुष्य के भीतर विवेक जगाए, उसके आचरण को परिष्कृत करे, उसे आत्मसंयम सिखाए और समाज एवं राष्ट्र के प्रति उत्तरदायी बनाए। आज यदि शिक्षा का अर्थ केवल नौकरी, पद, वेतन और प्रतिस्पर्धा तक सीमित होता जा रहा है तो हमें शिक्षा की आत्मा को पुनः खोजने की आवश्यकता है।

शिक्षा के बदलते स्वरूप के साथ शिक्षक की भूमिका भी बदल रही है। कभी शिक्षा को 'सा विद्या या विमुक्तये' अर्थात मुक्ति और आत्मविकास का माध्यम माना गया था, लेकिन आज अनेक बार उसका लक्ष्य केवल 'नियुक्ति' प्राप्त करने तक सिमटता दिखाई देता है। ज्ञान का मूल्य इस आधार पर तय होने लगा है कि उससे कितनी आय और कितना ऊंचा पद प्राप्त किया जा सकता है। शिक्षित होने की आकांक्षा बढ़ी है, लेकिन सुशिक्षित और संस्कारित होने की आकांक्षा उसी अनुपात में नहीं बढ़ी। यह स्थिति केवल शिक्षा व्यवस्था की नहीं, बल्कि पूरे समाज की चिंता का विषय है। आज शिक्षा के व्यवसायीकरण ने इस संकट को और गहरा किया है। शिक्षा जहां मिशन और सामाजिक दायित्व होनी चाहिए थी, वहां कई स्थानों पर वह व्यवसाय का रूप लेती दिखाई देती है। जब ज्ञान की कीमत बाजार तय करने लगे और शिक्षक की सफलता केवल परिणाम तथा वेतन से मापी जाने लगे, तब शिक्षा के मानवीय और संस्कारात्मक पक्ष का कमजोर होना स्वाभाविक है। इसके साथ गुरु-शिष्य संबंधों में भी अनेक स्तरों पर दूरी दिखाई दे रही है। शिक्षकों और विद्यार्थियों के बीच दुर्व्यवहार, अनुशासनहीनता और हिंसा की घटनाएं हमें चेताती हैं कि केवल पाठ्यक्रम बदलने से शिक्षा का संकट समाप्त नहीं होगा। हमें संबंधों की संस्कृति, संवाद की परंपरा और पारस्परिक सम्मान को भी पुनर्जीवित करना होगा।

महान दार्शनिक और शिक्षक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जीवन इस बात का उदाहरण है कि शिक्षक केवल पेशा नहीं, एक जीवन-दृष्टि हो सकता है। उन्होंने अपने जन्मदिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाए जाने की इच्छा व्यक्त की थी। तभी से 5 सितंबर देश में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। उनके जीवन से यह संदेश मिलता है कि शिक्षक का सम्मान केवल इसलिए नहीं कि वह पढ़ाता है, बल्कि इसलिए कि वह समाज की चेतना को दिशा देता है। वर्तमान समय में शिक्षक की भूमिका पहले से अधिक चुनौतीपूर्ण हो गई है। विद्यार्थी के सामने आज पुस्तक के अतिरिक्त इंटरनेट, सामाजिक माध्यम, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और असंख्य डिजिटल स्रोत उपलब्ध हैं। ऐसी स्थिति में शिक्षक की उपयोगिता कम नहीं हुई, बल्कि और बढ़ी है। अब शिक्षक को केवल जानकारी देने वाला नहीं, बल्कि सही जानकारी और गलत सूचना में अंतर समझाने वाला मार्गदर्शक बनना होगा। उसे विद्यार्थी को यह सिखाना होगा कि ज्ञान का उपयोग किस उद्देश्य से और किस जिम्मेदारी के साथ किया जाए। तकनीक शिक्षा का विकल्प नहीं, शिक्षक के हाथ में एक प्रभावी साधन बननी चाहिए।

महात्मा गांधी ने सर्वांगीण विकास में आत्मा, मस्तिष्क, वाणी और कर्म के संतुलन को महत्व दिया था। स्वामी विवेकानंद के अनुसार शिक्षा का उद्देश्य मनुष्य के भीतर निहित शक्तियों को जागृत करना है। इन दोनों दृष्टियों को आज की शिक्षा व्यवस्था से जोड़ना अत्यंत आवश्यक है। विद्यार्थी का मस्तिष्क ज्ञान से समृद्ध हो, हाथ कौशल से सक्षम हों, हृदय करुणा से भरा हो और चरित्र सत्य तथा ईमानदारी पर आधारित हो-यही वास्तविक सर्वांगीण शिक्षा है। केवल प्रतिभाशाली मनुष्य नहीं, बल्कि श्रेष्ठ मनुष्य बनाना शिक्षा का लक्ष्य होना चाहिए। आचार्य महाप्रज्ञ ने व्यक्तित्व-निर्माण को अत्यंत कठिन कार्य माना और इसके लिए निःस्वार्थ तथा जागरूक शिक्षक की आवश्यकता बताई। वास्तव में शिक्षक का सबसे प्रभावी पाठ उसकी पुस्तक नहीं, उसका अपना जीवन होता है। विद्यार्थी शिक्षक की कही बात से अधिक उसके व्यवहार को ग्रहण करता है। शिक्षक सत्यनिष्ठ है तो सत्य का संस्कार देता है, समय का सम्मान करता है तो अनुशासन सिखाता है, विनम्र है तो विनम्रता पैदा करता है और अपने कर्तव्य के प्रति समर्पित है तो समर्पण का उदाहरण बनता है। इसलिए शिक्षक प्रशिक्षण केवल नई शिक्षण पद्धतियों और तकनीकों तक सीमित नहीं होना चाहिएय उसमें चरित्र, संवेदनशीलता, संवाद-कौशल, मानसिक संतुलन, नैतिक नेतृत्व और भारतीय मूल्य-दृष्टि का भी प्रशिक्षण होना चाहिए। शिक्षा को केवल परीक्षा और अंकों के दायरे से बाहर निकालना भी समय की मांग है। अच्छे अंक प्राप्त करना महत्वपूर्ण हो सकता है, लेकिन अच्छे अंक अच्छे मनुष्य होने की गारंटी नहीं हैं। राष्ट्र को कुशल वैज्ञानिक, चिकित्सक, अभियंता और प्रबंधक जितने चाहिए, उतने ही ईमानदार नागरिक, संवेदनशील परिवारजन, जिम्मेदार सामाजिक कार्यकर्ता और विवेकशील नेतृत्वकर्ता भी चाहिए। इसलिए मूल्यांकन में ज्ञान के साथ रचनात्मकता, समस्या-समाधान, सहयोग, सामाजिक संवेदना, नैतिक निर्णय क्षमता और व्यवहार को भी महत्व मिलना चाहिए। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने शिक्षा को अधिक समग्र, लचीला, कौशल-आधारित और भारतीय ज्ञान परंपरा से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण विचार सामने रखे हैं। लेकिन किसी नीति की वास्तविक सफलता उसके दस्तावेज में नहीं, उसके धरातलीय परिणामों में दिखाई देती है। छह वर्ष के अनुभव के बाद यह आवश्यक है कि सरकार, शिक्षाविद, शिक्षक, अभिभावक और समाज मिलकर निष्पक्षता से समीक्षा करें कि नीति के कौन-से उद्देश्य विद्यालयों तक प्रभावी रूप से पहुंचे और कहां अभी दूरी बनी हुई है। केवल पाठ्यक्रम बदलना पर्याप्त नहीं है। शिक्षक, विद्यालयी संस्कृति, परीक्षा प्रणाली, अभिभावकीय अपेक्षाएं और शिक्षा के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण-इन सभी में परिवर्तन आवश्यक है। यदि देश में ह्यएक जैसी शिक्षाह्न की बात हो रही है तो उसका अर्थ सांस्कृतिक एकरूपता नहीं, बल्कि समान गुणवत्ता और समान अवसर होना चाहिए। भारत की विविधता उसकी शक्ति है। स्थानीय भाषा, लोकज्ञान, क्षेत्रीय संस्कृति और परंपराओं का सम्मान करते हुए प्रत्येक बच्चे को आधुनिक विज्ञान, तकनीक, वैश्विक ज्ञान और वैज्ञानिक दृष्टि की समान सुविधा मिलनी चाहिए। आज शिक्षक दिवस पर सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि हमारे विद्यालयों से कैसे मनुष्य निकल रहे हैं। यदि शिक्षा मनुष्य को अधिक विवेकशील, विनम्र, निर्भीक, करुणामय, सत्यनिष्ठ और उत्तरदायी बना रही है तो वह सफल शिक्षा है। भारत के पास दुनिया को देने के लिए केवल आधुनिक विज्ञान और तकनीकी प्रतिभा नहीं, बल्कि हजारों वर्षों की ज्ञान-संपदा, आध्यात्मिक दृष्टि और मानवीय मूल्यों की महान परंपरा भी है। यदि आधुनिक विज्ञान और तकनीक का समन्वय भारतीय जीवन-मूल्यों के साथ कर दिया जाए तो भारत की शिक्षा व्यवस्था विश्व के लिए मार्गदर्शक बन सकती है। केवल पाठ्यक्रम परिवर्तन की नहीं, चेतना परिवर्तन की है। केवल रोजगारपरक शिक्षा की नहीं, जीवनपरक शिक्षा की है। शिक्षक राष्ट्र का मौन शिल्पकार है। उसके हाथों में केवल एक विद्यार्थी का भविष्य नहीं, आने वाले भारत का चरित्र है। यदि शिक्षक जागेगा तो पीढ़ी जागेगी, पीढ़ी जागेगी तो समाज बदलेगा और समाज बदलेगा तो राष्ट्र नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगा। यही शिक्षक दिवस का वास्तविक संदेश और विकसित, संस्कारित एवं विश्व का मार्गदर्शन करने वाले भारत की सबसे मजबूत आधारशिला हो सकती है।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका में शटडाउन का संकट टला?: प्रतिनिधि सभा ने दिसंबर तक फंडिंग वाला बिल पास किया, अब ट्रंप की मंजूरी बाकी

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) ने मंगलवार को एक अस्थायी विधेयक पारित किया। इसका मकसद संघीय सरकार के कामकाज के लिए दिसंबर की शुरुआत तक धन उपलब्ध कराना है। यह कदम इसलिए उठाया गया है, ताकि सांसदों के दोबारा चुनाव के लिए प्रचार के दौरान सरकार का कामकाज बंद (शटडाउन) न हो। सांसदों के लिए सितंबर के आखिर में खत्म हो रहे वित्त वर्ष से पहले यह कदम उठाना जरूरी था। ऐसा नहीं करने पर सरकारी कामकाज के लिए पैसा खत्म हो सकता था। सांसद नहीं चाहते थे कि चुनाव प्रचार के दौरान सरकार के कामकाज को लेकर कोई संकट खड़ा हो। पिछले साल भी सरकार के कामकाज के लंबे समय तक बंद रहने से बड़ा संकट पैदा हुआ था। प्रतिनिधि सभा ने 370-48 वोट से विधेयक पारित किया। सीनेट इसे पहले ही भारी बहुमत से मंजूर कर चुका है। अब यह विधेयक राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पास जाएगा। उनकी मंजूरी के बाद यह कानून बन जाएगा।

पश्चिम एशिया तनाव: अमेरिका ने चाबहार समेत ईरान के कई ठिकानों पर किए हमले; ट्रंप ने क्या धमकी दी

वाशिंगटन/तेहरान, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने मंगलवार को ईरान में चाबहार और केशम द्वीप समेत कई अहम ठिकानों पर मिसाइलों से हमला किया। भारतीय समयानुसार रात करीब साढ़े नौ बजे शुरू हुए हमलों में ईरान के इस्लामी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के ठिकानों को भी निशाना बनाया गया। सेंटकॉम ने कहा कि अमेरिकी सेना ने एक सितंबर को ईरान के सैन्य ठिकानों पर हमलों की एक श्रृंखला सफलतापूर्वक पूरी की। अमेरिकी सेना ने आईआरजीसी के ठिकानों को निशाना बनाया। इनमें एयर डिफेंस साइट, रडार सिस्टम, समुद्री ठिकाने और सुविधाएं, बारूदी सुरंगें बिछाने की क्षमता से जुड़े ठिकाने और संचार केंद्र शामिल थे। कमान ने कहा कि ये हमले होर्मुज जलडमरूमध्य में वाणिज्यिक जहाजों और अमेरिकी सैनिकों पर आईआरजीसी के हालिया हमलों की कोशिशों के बाद किए गए। पश्चिम एशिया में इस समय 50 हजार से ज्यादा अमेरिकी सैनिक तैनात हैं। कमान ने कहा कि ये सैनिक सतर्क हैं और जरूरत पड़ने पर आगे की कार्रवाई के लिए तैयार हैं। यह कार्रवाई अमेरिकी राष्ट्रपति के निर्देश पर की जाएगी। ईरान की समाचार एजेंसियों के अनुसार, केशम द्वीप, बंदर अब्बास, चाबहार, जास्क और सिरिक में धमाकों की आवाजें सुनी गईं। एपी की रिपोर्ट के मुताबिक, दक्षिणी जॉर्डन के शहर अकाबा के ऊपर धमाके दिखाई दिए। ईरान के एक अधिकारी ने बताया कि अमेरिकी हमले में एक घर को निशाना बनाया गया। उस समय वहां शादी समारोह चल रहा था। हमले में दो लोगों की मौत हो गई। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने धमकी दी कि अगर ईरान ने इस हमले का जवाब दिया, तो उसे और भी सख्त परिणाम भुगतने होंगे। आईआरजीसी ने कहा कि अमेरिका को अपने इन नए हमलों पर पछतावा होगा।

आर्थिक नीति: जी20 मंच से इतर रूस, कोरियाई दल से सीतारमण की मुलाकात; आईएमएफ एमडी ने भारत की तारीफ में क्या कहा

वाशिंगटन, एजेंसी। केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने अमेरिका के एशविल में आयोजित जी20 वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नरों की बैठक से इतर कई अहम देशों और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं। इन मुलाकातों में भारत के आर्थिक सहयोग, निवेश, वैश्विक अर्थव्यवस्था और वित्तीय साझेदारी से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। सीतारमण ने रूस के वित्त मंत्री एंटोन सिलुआनोव के साथ बैठक में द्विपक्षीय सहयोग मजबूत करने और क्षेत्रीय व वैश्विक आर्थिक घटनाक्रम पर विचार साझा किए। दोनों पक्षों ने बहुपक्षीय मंचों पर साझा हितों से जुड़े विषयों पर भी चर्चा की। बैठक में न्यू डेवलपमेंट बैंक और एशियन इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक के साथ सहयोग बढ़ाने के मुद्दे पर विचार हुआ। दोनों नेताओं ने इन संस्थानों को प्रभावी बहुपक्षीय विकास बैंकों के रूप में मजबूत करने के लिए साझा हित वाले क्षेत्रों की संभावनाएं तलाशीं। इसके अलावा शंघाई सहयोग संगठन डेवलपमेंट बैंक की स्थापना पर भी चर्चा हुई। वित्त मंत्री ने दक्षिण कोरिया के उप प्रधानमंत्री एवं अर्थव्यवस्था और वित्त मंत्री कू यून-चोल से भी मुलाकात की। सीतारमण ने कहा कि भारत दक्षिण कोरिया को एक महत्वपूर्ण आर्थिक साझेदार मानता है और दोनों देशों के बीच संबंधों से कई क्षेत्रों में पारस्परिक लाभ हुआ है।

मृतकों का आंकड़ा 1127 पहुंचा, 4800 से अधिक लोग अभी भी लापता; भारत की पांचवीं मदद रवाना

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में बाढ़ के बाद हालात बदतर बने हुए हैं। हर दिन के साथ हताहतों की संख्या बढ़ती जा रही है, जबकि अभी भी हजारों लोग लापता हैं। वहीं, इस भीषण त्रासदी को झेलने वाले अब मानसिक रूप से पीड़ा झेल रहे हैं, जिसमें बच्चे से लेकर बड़े भी शामिल हैं। फिलहाल राहत और बचाव अभियान युद्धस्तर पर जारी है। बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद मंगलवार को नेपाल के बाढ़ प्रभावित सिंधुली बाजार पहुंचे। उन्होंने मौके पर हालात का जायजा लिया और प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उनकी परेशानियां सुनीं। बाढ़ से हुए भारी नुकसान को देखकर सोनू सूद ने चिंता जताई और कहा कि लोगों को सामान्य जिंदगी में लौटने में काफी समय लग सकता है।

एएनआई से बातचीत में उन्होंने नेपाल की मदद के लिए भारत सरकार के प्रयासों की सराहना की। सोनू सूद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताते हुए कहा कि संकट की इस घड़ी में नेपाल को दी जा रही सहायता सराहनीय है। उन्होंने कहा कि राहत और सहयोग का सिलसिला लगातार जारी रखना जरूरी है, क्योंकि प्रभावित लोगों की मुश्किलें कुछ हफ्तों या महीनों में खत्म नहीं होंगी। उन्होंने सभी से नेपाल के बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए आगे आने की अपील की।

मौतों का आंकड़ा 1,127 पहुंचा : नेपाल में बाढ़ की तबाही से मरने वालों की संख्या बढ़कर 1,127 हो गई है। आपदा के एक सप्ताह बाद भी हजारों लोग लापता हैं और सुरक्षा बल प्रभावित इलाकों में लगातार तलाशी और राहत अभियान चला रहे हैं। नेपाल पुलिस के मुताबिक, सबसे ज्यादा शव चितवन से 348, नवलपरासी ईस्ट से 217, नवलपरासी वेस्ट से 190 और नुवाकोट से 155 बरामद किए गए हैं। इसके अलावा गोरखा से 66, धादिंग से 59, रसुवा से 45 और तनहूं से 38 शव मिले हैं। पुलिस ने बताया कि अब तक 1,113 शवों का पोस्टमार्टम और कानूनी पहचान की प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है। इनमें से 95 शव उनके परिजनों को सौंपे जा चुके हैं। लापता लोगों के परिवारों की मदद के लिए नेपाल पुलिस ने 911 अज्ञात शवों की जानकारी अपनी वेबसाइट पर अपलोड की है, ताकि परिजन तस्वीरों और उपलब्ध विवरण के आधार पर अपने रिश्तेदारों की पहचान कर सकें। नेपाल पुलिस के अनुसार, सुरक्षा बलों ने अब तक बाढ़ प्रभावित इलाकों से 6,541 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला है। वहीं, 4,858 लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं। उनकी तलाश के लिए प्रभावित क्षेत्रों में अभियान जारी है।

नेपाल के लिए भारत ने भेजी पांचवीं मदद : नेपाल में राहत और बचाव अभियान के लिए भारत ने मदद का सिलसिला जारी रखा है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को बताया कि भारत का पांचवां विमान राहत सामग्री लेकर नेपाल के लिए रवाना हो गया है। जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि इस विमान में 11 सदस्यीय विशेष रेस्क्यू टीम मौजूद है। टीम के साथ बचाव कार्य में इस्तेमाल होने वाले जरूरी उपकरण भी भेजे गए हैं। इसके अलावा विमान में करीब 5.5 टन आवश्यक दवाएं भी भेजी गई हैं। भारत की ओर से यह सहायता नेपाल में जारी राहत एवं बचाव प्रयासों को मजबूत करने के उद्देश्य से भेजी गई है। विदेश मंत्री ने कहा कि पांचवां भारतीय विमान नेपाल के लिए रवाना हो चुका है और इसमें विशेष उपकरणों से लैस बचाव दल के साथ बड़ी मात्रा में जरूरी दवाएं भी शामिल हैं।

सरकार की प्राथमिकता लोगों की जान बचाना : लोक बहादुर छेत्री ने कहा कि इस समय नेपाल सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता लोगों की जान बचाना, लापता लोगों का पता लगाना, बचे हुए लोगों को सुरक्षित निकालना और प्रभावित लोगों तक तत्काल राहत पहुंचाना है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रही है कि बाढ़ से प्रभावित सभी लोगों, चाहे वे नेपाली नागरिक हों या विदेशी, को जरूरी सहायता और सहयोग मिले। नेपाल में आई इस विनाशकारी बाढ़ ने कई जिलों में भारी तबाही मचाई है। बड़ी संख्या में लोगों की मौत के साथ-साथ कई लोग अब भी लापता हैं। ऐसे में राहत, शवों की पहचान और जोखिम वाले इलाकों में बचाव अभियान लगातार जारी है।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन: दिल्ली में जुटेंगे दुनिया के दिग्गज, गुटेरेस आएंगे; पुतिन-जिनपिंग भी कर सकते हैं शिरकत

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। भारत की मेजबानी में होने वाले 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस भी हिस्सा लेंगे। यह सम्मेलन 12 और 13 सितंबर को नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित किया जाएगा। भारत इस साल ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने मंगलवार को प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि गुटेरेस के सम्मेलन में शामिल होने की आधिकारिक घोषणा अभी बाकी है। हालांकि, उन्होंने संकेत दिया कि संयुक्त राष्ट्र प्रमुख करीब 10 दिन बाद नई दिल्ली में होने वाली ब्रिक्स बैठक में भाग लेंगे।

गुटेरेस का भारत से पुराना जुड़ाव : यूएन महासचिव एंटोनियो गुटेरेस का इस साल भारत का यह दूसरा महत्वपूर्ण दौरा होगा। फरवरी 2026 में वह नई दिल्ली में आयोजित इंडिया-एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में शामिल हुए थे। यह ग्लोबल साउथ में आयोजित पहला वैश्विक AI शिखर सम्मेलन था।

ईरान संघर्ष को लेकर भी जताई चिंता : इससे पहले बिश्केक में एससीओ समिट के दौरान गुटेरेस ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन से मुलाकात की थी। इस दौरान उन्होंने ईरान में जारी संघर्ष के मानवीय और आर्थिक प्रभावों पर चिंता जताई। गुटेरेस ने संघर्ष का समाधान बातचीत और वार्ता के जरिए करने की जरूरत पर

जोर दिया। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय कानून के पूर्ण सम्मान की बात कही, जिसमें स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के आसपास नौवहन अधिकारों और स्वतंत्रता का सम्मान भी शामिल है। संयुक्त राष्ट्र ने व्यापक और स्थायी समाधान के लिए कूटनीतिक प्रयासों को समर्थन देने की प्रतिबद्धता भी दोहराई। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन के शामिल होने की उम्मीद है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के भी सम्मेलन में पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। ऐसे में नई दिल्ली में होने वाली यह बैठक वैश्विक कूटनीति के लिहाज से बेहद अहम मानी जा रही है।

भारत की अध्यक्षता में क्या होगा खास : विदेश मंत्रालय के अनुसार, 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में सदस्य और साझेदार देशों के राष्ट्राध्यक्षों के साथ-साथ आउटरीच के तहत आमंत्रित देशों के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे।

प. एशिया तनाव: ईरान में शादी के जश्न पर बरसीं अमेरिकी मिसाइलें

तेहरान, एजेंसी। ईरान के सिरिक इलाके में एक शादी समारोह उस समय मातम में बदल गया, जब अमेरिकी हवाई हमले की चपेट में यह कार्यक्रम आ गया। ईरानी अधिकारियों और सरकारी मीडिया के मुताबिक, हमले में कम से कम पांच लोगों की मौत हुई है। मृतकों में चार साल का एक बच्चा भी शामिल है। वहीं, 50 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। यह घटना स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के पास स्थित तटीय क्षेत्र में हुई। ईरानी अधिकारियों ने इसे युद्ध के दौरान नागरिकों के लिए सबसे गंभीर घटनाओं में से एक बताया है।

ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने इस घटना पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि इस तरह की कार्रवाई को इससे पहले हुई घटनाओं से अलग करके नहीं देखा जा सकता। प्रवक्ता ने विशेष रूप से मिनाब में एक स्कूल पर हुए हवाई हमले का उल्लेख किया, जिसमें ईरानी अधिकारियों के अनुसार युद्ध के पहले दिन एक बालिका विद्यालय में 160 लोगों की जान गई थी। मिनाब की घटना को लेकर अमेरिकी रक्षा विभाग की ओर से अभी तक आधिकारिक निष्कर्ष सामने नहीं आया है। हालांकि, एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से दावा किया गया है कि यह हमला पुराने लक्ष्य संबंधी आंकड़ों के इस्तेमाल का नतीजा हो सकता है।

सिरिक में शादी समारोह पर हमला ऐसे समय हुआ है जब अमेरिका और ईरान के बीच एक बार फिर सैन्य तनाव तेज हो गया है। बुधवार को दोनों देशों के बीच पिछले कई हफ्तों में सबसे बड़ा सैन्य टकराव देखने को मिला। अमेरिका की ओर से आगे और भी अधिक व्यापक हमले किए जाने की चेतावनी दी गई है। ऐसे में शादी समारोह में हुई नागरिक मौतों ने युद्ध के मानवीय प्रभाव को लेकर चिंता और बढ़ा दी है। अमेरिकी सेना ने मंगलवार को ईरान में चाबहार और केशम द्वीप समेत कई अहम ठिकानों पर मिसाइलों से हमला किया।

'ऐसा गृह युद्ध होता, जिससे हम कभी उबर नहीं पाते': जेडी वेंस का बड़ा खुलासा, दुनिया के खात्मे पर भी बोले

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने एक पॉडकास्ट में चौंकाने वाला बयान देते हुए कहा कि अगर 2024 में डोनाल्ड ट्रंप पर हुए हमले में उनकी मौत हो जाती तो देश में ऐसा गृह युद्ध होता, जिससे अमेरिका कभी उबर नहीं पाता। पॉडकास्ट में वेंस ने दुनिया के अंत पर भी अपने विचार साझा किए। ईसाई पॉडकास्टर ब्राइस क्रॉफर्ड के साथ बातचीत में जेडी वेंस ने धर्म, अध्यात्म समेत कई मुद्दों पर अपने विचार रखे।

'ट्रंप की मौत से अमेरिका में छिड़ जाता गृह युद्ध' : साल 2024 में अमेरिका के पेंसिल्वेनिया में राष्ट्रपति चुनाव के प्रचार के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति पर जानलेवा हमला हुआ था। उस हमले में ट्रंप बाल-बाल बचे थे और एक गोली उनके कान को छूकर निकली थी और ट्रंप के एक

समर्थक की मौत हो गई थी। उस घटना पर जेडी वेंस ने कहा, 'अगर 2024 में हुई हत्या की कोशिश में डोनाल्ड ट्रंप की मौत हो जाती, तो वे हमेशा सोचते रहते कि यह किसी साजिश का हिस्सा था और शायद वे किसी दूसरे रिपब्लिकन को भी अगला राष्ट्रपति मानने को तैयार नहीं होते। ट्रंप खुद भी 2024 के हमले में खुद की जान बचने को दैवीय कृपा मानते रहे हैं, और वेंस भी ऐसा ही मानते हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा, 'अगर गोली से ट्रंप की मौत हो जाती, तो देश में ऐसा गृह-संघर्ष होता जिससे शायद देश कभी उबर नहीं पाता।' वेंस ने कहा, 'ट्रंप के कई समर्थकों को लगता कि किसी साजिश के तहत उनका चुना हुआ राष्ट्रपति छीन लिया गया, और उनके मन में भी कहीं न कहीं ऐसे ही विचार आते।

दुनिया के अंत पर भी बोले वेंस : क्रॉफर्ड ने वेंस से दुनिया के अंत में उनकी दिलचस्पी के बारे में भी पूछा। इस पर उपराष्ट्रपति ने हंसते हुए कहा कि 1990 के दशक के आखिर में जवानी के दिनों में उनकी भी इसमें दिलचस्पी थी, जब लोग नई सदी के आने के साथ दुनिया के खत्म होने की संभावनाओं पर चर्चा कर रहे थे। हंसते हुए वेंस ने एक दोस्त की कहानी सुनाई जिसे यह जुनून सवार था कि 2007 के आखिर में दुनिया खत्म हो जाएगी और उसने क्रेडिट कार्ड पर भारी कर्ज ले लिया था।

एआई को लेकर जताई चिंता : वेंस ने कहा, 'दुनिया में कुछ ऐसी चीजें हैं, जिन्हें देखकर मुझे हैरानी नहीं होगी अगर 'एंटीक्राइस्ट' (शैतान का रूप) हमारे बीच घूम रहा हो, लेकिन फिर भी, मैं इस पर बहुत ज्यादा ध्यान नहीं देने की कोशिश करता हूं।' उन्होंने IT कंपनियों और इंसानी बातचीत की जगह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस्तेमाल पर चिंता जताई। बीते दिनों ट्रंप ने ईसा मसीह के रूप में अपनी एक एआई तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा की थी, जिस पर खासा विवाद हुआ था। हालांकि वेंस ने ट्रंप का बचाव किया। उन्होंने कहा, 'उनका मकसद भगवान का मजाक उड़ाना या उनकी नकल करना नहीं था, वो ऐसे इंसान नहीं हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'राष्ट्रपति अक्सर चीजों को हल्का-फुल्का रखने की कोशिश करते हैं और लगातार मजाक करते रहते हैं।

ट्रंप ने अपने करीबी अधिकारी को दी बड़ी जिम्मेदारी, कौन हैं पूर्व सील फाइटर हंग काओ

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि वे कार्यकारी नौसेना सचिव हंग काओ को स्थायी नौकरी के लिए नामांकित कर रहे हैं। ट्रंप ने नौसेना के पूर्व अधिकारी को ऐसे समय नियुक्त दी है, जब ऐसी चिंताएं सामने आई हैं कि ईरान युद्ध के दौरान कुछ नाविकों पर बहुत ज्यादा दबाव पड़ा है। दरअसल ईरान युद्ध के दौरान अमेरिका के युद्धपोत यूएसएस अब्राहम लिंकन को करीब नौ महीने समुद्र में बिना रुके तैनात रहना पड़ा, जिससे कई अमेरिकी नौसैनिकों की मानसिक स्थिति पर बुरा प्रभाव पड़ा।

जॉन फेलन के इस्तीफे से मिला मौका : अप्रैल के आखिर में जॉन फेलन के अचानक और बिना किसी कारण के नौकरी छोड़ने के बाद हंग काओ को नौसेना का कार्यकारी सचिव नियुक्त किया गया था। जॉन

फेलन ने कभी नौसेना में सेवाएं नहीं दी थीं या सर्विस में कोई सिविलियन लीडरशिप रोल भी नहीं निभाया था। वहीं काओ ने नेवी में स्पेशल ऑपरेशन्स ऑफिसर के तौर पर 25 साल बिताए और इराक और अफगानिस्तान में स्वरूप टीमों और स्पेशल फोर्सेज के साथ काम किया।

ट्रंप ने सीनेट से जल्द नियुक्ति की पुष्टि करने को कहा : ट्रंप ने काओ की नियुक्ति का एलान करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा, 'मुझे एक सच्चे योद्धा को नॉमिनेट करते हुए खुशी हो रही है।' उन्होंने सीनेट से अपील करते हुए कहा कि इस योद्धा को जल्द से जल्द कन्फर्म करें। काओ ने सोशल मीडिया पर इसे नेवी और मरीन कॉर्प्स टीम के महान योद्धाओं का नेतृत्व करना जीवन का सबसे बड़ा सम्मान बताया।

अमेरिकी सेना में उथल-पुथल का दौर : काओ का नामांकन ऐसे समय में हुआ है जब कुछ लोग, जिनमें कांग्रेस में डेमोक्रेट्स भी शामिल हैं। मानते हैं कि ट्रंप नेवी पर बहुत ज्यादा दबाव डाल रहे हैं। ईरान युद्ध में मदद के लिए यूएसएस अब्राहम लिंकन एयरक्राफ्ट कैरियर की नौ महीने की तैनाती के दौरान समुद्र में बिना रुके रहने का रिकॉर्ड बना है। साथ ही उनकी नियुक्ति ऐसे समय भी हुई है, जब अमेरिकी मिलिट्री के टॉप लेवल पर उथल-पुथल मची हुई है। हालिया उदाहरण में, आर्मी सेक्रेटरी डैन ड्रिस्कॉल ने इस हफ्ते अपना इस्तीफा सौंप दिया, जबकि उनके और डिफेंस सेक्रेटरी पीट हेगसेथ के बीच तनाव की खबरें बड़े पैमाने पर आ रही थीं। मौजूदा भूमिका से पहले काओ नेवी अंडरसेक्रेटरी के तौर पर काम कर चुके हैं। उन्होंने उन सर्विस मेंबर्स की ड्यूटी पर वापसी का समर्थन किया था, जिन्होंने बाइडेन के समय में वैक्सीन लेने के आदेश को मानने से इनकार कर दिया था। ट्रंप के करीबी माने जाने वाले काओ ने यह भी कहा कि उन्हें नेवी के डेमोक्रेटिक स्क्वाड्रन, ब्लू एंजल्स के जुलाई में फ्लोरिडा के भीड़भाड़ वाले बीच पर इतनी कम ऊंचाई पर उड़ने से कोई दिक्कत नहीं थी।

पश्चिम एशिया में चीन बढ़ा रहा दखल: मिस्र पहुंचे शी जिनपिंग, अमेरिका के करीबी देश में बीजिंग की बढ़ रही पकड़

काहिरा, एजेंसी। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग इस सप्ताह मिस्र के तीन दिवसीय दौरे पर हैं। यह यात्रा चीन और मिस्र के बीच आर्थिक एवं राजनयिक संबंधों को मजबूत करने की सामान्य कवायद नजर आती है, लेकिन इसके पीछे पश्चिम एशिया में चीन के बढ़ते प्रभाव की बड़ी रणनीति भी देखी जा रही है।

अमेरिका के प्रमुख वैश्विक प्रतिद्वंद्वी चीन के लिए मिस्र पश्चिम एशिया में अपनी मौजूदगी मजबूत करने का अहम केंद्र बनता जा रहा है। वहीं, मिस्र अमेरिका का एक महत्वपूर्ण सहयोगी है। ऐसे में शी की काहिरा यात्रा को दोनों देशों के रिश्तों से आगे क्षेत्रीय भू-राजनीति के लिहाज से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

मिस्र पहुंचे शी जिनपिंग, हुआ भव्य स्वागत : शी जिनपिंग मंगलवार शाम काहिरा एयरपोर्ट पहुंचे। उनके स्वागत के लिए एयरपोर्ट को चीन और मिस्र के झंडों से सजाया गया था। मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी और सैन्य गार्डों ने रेड कार्पेट समारोह के साथ उनका स्वागत किया। दोनों नेताओं के बुधवार को बातचीत करने का कार्यक्रम है। शी जिनपिंग ग्रैंड इजिप्शियन म्यूजियम का भी दौरा करेंगे, जो गीजा के पिरामिडों के पास स्थित है। यह मिस्र की उनकी करीब एक दशक बाद पहली यात्रा है। वहीं, 2022 में सऊदी अरब दौरे के बाद यह पश्चिम एशिया की उनकी पहली यात्रा है।

चीन-मिस्र के रिश्तों में क्यों आई तेजी : चीन और मिस्र इस साल अपने राजनयिक संबंधों की स्थापना के 70 वर्ष पूरे कर रहे हैं। इसी मौके पर दोनों देशों के नेताओं ने मंगलवार को मिस्र के सरकारी अखबारों में दोस्ताना लेख भी प्रकाशित किए। शी जिनपिंग ने दोनों देशों से विकास के जरिए व्यावहारिक सहयोग का दायरा बढ़ाने की अपील की। वहीं, अल-सीसी ने मिस्र में चीन के निवेश की सराहना की और ताइवान को चीन का हिस्सा मानने वाले बीजिंग के दावे के समर्थन को दोहराया। मिस्र चीन के साथ बढ़ते रिश्तों को अपनी रणनीतिक साझेदारियों में विविधता लाने के अवसर के तौर पर देखता है।

ब्रिक्स से बेल्ट एंड रोड तक चीन की बढ़ती पकड़ : मिस्र को 2023 में ब्रिक्स में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया था। यह समूह उभरती अर्थव्यवस्थाओं का एक प्रमुख मंच है, जिसमें ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका जैसे देश शामिल हैं। इसके एक साल बाद मिस्र और चीन ने चीन की महत्वाकांक्षी बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के तहत सहयोग के लिए समझौतों पर हस्ताक्षर किए। यह पहल दुनियाभर में बुनियादी ढांचे और परिवहन नेटवर्क के निर्माण के जरिए चीन की आर्थिक और रणनीतिक पहुंच बढ़ाने पर केंद्रित है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, चीन मिस्र में 10 अरब डॉलर से अधिक का निवेश कर चुका है। इनमें काहिरा के पूर्व में बिजनेस हब और नील डेल्टा में औद्योगिक क्षेत्र के लिए इलेक्ट्रिक रेल लाइन जैसी परियोजनाएं शामिल हैं। दोनों देशों के बीच सालाना व्यापार करीब 20 अरब डॉलर का बताया जाता है। इसके मुकाबले 2025 में अमेरिका और मिस्र के बीच व्यापार 15.7 अरब डॉलर रहा था। चीन लंबे समय से पश्चिम एशिया में अपनी कूटनीतिक और आर्थिक भूमिका बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। 2023 में बीजिंग ने ईरान और सऊदी अरब के बीच राजनयिक संबंध बहाल कराने में मध्यस्थ की भूमिका निभाई थी।

क्या है तहरीक-ए-लब्बैक: पाकिस्तान में मदरसे के लिए 125 साल पुराना मंदिर ढहाया, पंजाब में कैसे हिंदुओं को डराया

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के हालात कैसे हैं, यह पूरी दुनिया में किसी से नहीं छिपा है। हालांकि, अब शहबाज शरीफ की सरकार के कार्यकाल में चरमपंथी ताकतें प्रतिबंधित होने के बावजूद खुलेआम न सिर्फ लोगों को डरा रही हैं, बल्कि उनके पूजास्थलों को भी ढहाने और उसकी जमीन पर कब्जा करने में जुट गई हैं। ताजा मामला पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के नारोवाल जिले का है। यहां सिराज गांव में एक चरमपंथी संगठन- तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) ने कथित तौर पर एक 100-125 साल पुराने हिंदू पूजास्थल को ढहा दिया। कहा जा रहा है कि इस संगठन ने ऐसा मंदिर की जमीन पर कब्जा करने और यहां पहले से मौजूद एक मदरसे का दायरा बढ़ाने के लिए किया।

आइये जानते हैं कि जिस मंदिर के ढहाए जाने को लेकर इस वक्त पाकिस्तान में बवाल मचा है, वह क्या है और कहां है? इसके साथ हाल ही में ऐसा क्या हुआ, जिसने पूरी दुनिया का ध्यान चरमपंथी संगठन और उनकी खुलेआम अल्पसंख्यकों के खिलाफ किए जा रहे जुर्मों की तरफ कर दिया है? यह तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान क्या है, जिससे न सिर्फ अल्पसंख्यक, बल्कि पाकिस्तान की सरकार तक घबराती है? क्यों शहबाज सरकार की ओर से लगाए गए प्रतिबंधों के बावजूद यह संगठन मजबूत बना हुआ है।

कब ढहाया गया यह पूजा स्थल, क्यों पैदा हुआ विवाद : इस ऐतिहासिक हिंदू मंदिर को 21 अगस्त 2026 को ढहाया गया था। हालांकि, इसे ढहाए जाने के मामले ने तूल अगस्त के अंत में पकड़ा। दरअसल, इस मंदिर के ढहने की वजहों और इसकी भूमि पर अवैध कब्जे को लेकर दो परस्पर विरोधी दावे सामने आ गए, जिससे यह विवाद और बढ़ा हो गया है।

अल्पसंख्यक संगठन बोले- मंदिर को सोची-समझी साजिश के तहत गिराया गया : स्थानीय हिंदू प्रतिनिधियों और अल्पसंख्यक संगठनों का आरोप है कि लगभग 100 से 125 साल पुराने इस मंदिर को जानबूझकर

और एक साजिश के तहत गिराया गया है, ताकि मंदिर की करीब 1,000 वर्ग मीटर जमीन पर पास के मदरसे का कब्जा कराया जा सके। पाकिस्तान मसीहा मिल्लत पार्टी के अध्यक्ष असलम परवेज सहोत्रा ने बताया कि मंदिर विध्वंस में चरमपंथी धार्मिक राजनीतिक दल तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) से जुड़े लोग शामिल थे। वे मंदिर को गिराने के बाद उसके शिखर से धातु के उपकरण और ईंटें भी उठाकर ले गए। सहोत्रा के मुताबिक, मंदिर से सटी जमीन को पहले इवैक्यूई ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड (ईटीपीबी) ने मदरसे के लिए पट्टे पर दिया था। किराया न चुकाने और नियमों के उल्लंघन के कारण 29 जनवरी 2026 को इस पट्टे को रद्द कर दिया गया और अवैध कब्जा हटाने के आदेश दिए गए थे, लेकिन प्रशासन ने इस आदेश को लागू नहीं किया।

नारोवाल जिला शांति समिति और 'पाक धरम अस्थान हिंदू समिति' के सदस्य और हिंदू समुदाय के नेता रतन लाल ने घटना स्थल के आसपास के डरावने माहौल को बयां करते हुए कहा- 'मंदिर परिसर में जो मदरसा लगातार चल रहा है, उसकी उपस्थिति के कारण हम अब उस जगह पर जाने से भी डरते हैं।' उन्होंने आरोप लगाया कि जिला प्रशासन सुरक्षा चेतावनियों के बावजूद मंदिर की रक्षा करने और वहां से अवैध कब्जे हटाने में पूरी तरह विफल रहे।

प्रशासन बोला- भारी बारिश की वजह से गिर गया मंदिर का ढांचा : अल्पसंख्यक संगठनों के उलट ईटीपीबी के वरिष्ठ अधिकारी राणा इफ्तिखार और जिला प्रशासन ने जानबूझकर ढांचा गिराए जाने के आरोपों को पूरी तरह खारिज किया है। उनका कहना है कि हाल ही में हुई मूसलाधार बारिश के कारण यह पुराना और जर्जर ढांचा अपने आप ढह गया। अधिकारी ने सफाई दी कि मंदिर की मूल भूमि को कभी किसी को पट्टे पर नहीं दिया गया। तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) पाकिस्तान का प्रतिबंधित चरमपंथी, कट्टरपंथी और अति-दक्षिणपंथी इस्लामी राजनीतिक संगठन है। इसी संगठन पर नारोवाल जिले में एक 100 साल से भी पुराने ऐतिहासिक हिंदू मंदिर को ढहाने का आरोप लगा है।

सीपीएल 2026

क्विंटन डी कॉक का शतक बेकार, सेंट किट्स ने बारबाडोस को 6 विकेट से हराया

सेंट किट्स । वॉर्नर पार्क में कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 का 23वां मुकाबला बारबाडोस ट्राइडेंट्स और सेंट किट्स और नेविस पैट्रियट्स के बीच खेला गया। बारबाडोस ट्राइडेंट्स को क्विंटन डी कॉक की शतकीय पारी के बावजूद 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। सेंट किट्स और नेविस पैट्रियट्स ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी थी। पहले बल्लेबाजी करते हुए बारबाडोस ट्राइडेंट्स ने विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक के शतक की बदौलत

4 विकेट पर 217 रन बनाए थे। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए डी कॉक ने 57 गेंदों पर 6 छक्कों और 11 चौकों की बदौलत 106 रन की पारी खेली। इसके अलावा, सलामी बल्लेबाज जैकरी कार्टर ने 36 गेंदों पर 57 रन बनाए। कार्टर ने अपनी पारी में 7 छक्के लगाए। शेफरन रदरफोर्ड ने 26 और कप्तान क्रिस ग्रीन ने 18 रन की पारी खेली।

सेंट किट्स और नेविस पैट्रियट्स के लिए नसीम शाह ने 2, कप्तान जेसन होल्डर और वानिंदु हसरंगा ने 1–1 विकेट लिए। 218 रन के लक्ष्य को हासिल करने उतरी बारबाडोस ट्राइडेंट्स ने विस्फोटक शुरुआत की। जॉनसन चार्ल्स और काइल मायर्स ने पहले विकेट के लिए 10.2 ओवर में 112 रन जोड़े। मायर्स के रन आउट होने से यह जोड़ी टूटी। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 27 गेंदों पर 29 रन बनाए।

चार्ल्स ज्यादा आक्रामक रहे। इस विस्फोटक बल्लेबाज ने 45 गेंदों पर 7 छक्कों और 6 चौकों की मदद से 78 रन की पारी खेली। तीसरे नंबर पर प्रमोट किए दासुन शनाका ने 22 गेंदों पर 2 छक्कों और 2 चौकों की मदद से 36 रन की पारी खेली। कप्तान जेसन होल्डर ने 11 गेंदों पर 18 रन बनाए। आंद्रे फ्लेचर ने 8 गेंदों पर 3 छक्कों की मदद से नाबाद 22 और वानिंदु हसरंगा ने 4 गेंदों पर 1 छक्का और 3 चौके की मदद से नाबाद 18 रन बनाकर टीम का स्कोर 19.1 ओवर में 4 विकेट पर 220 तक पहुंचाया और 5 गेंद पहले 6 विकेट से जीत दिला दी।

विमेंस एशिया कप

सादिया के नाम 3 विकेट, 'लो-स्कोरिंग मैच' में पाकिस्तान ने थाईलैंड को 35 रन से हराया

दुबई । पाकिस्तान ने जीत के साथ विमेंस एशिया कप 2026 में अपने अभियान की शुरुआत की है। इस टीम ने मंगलवार को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में थाईलैंड को 35 रन से मात दी। टॉस जीतकर बल्लेबाजी के लिए उतरी पाकिस्तानी टीम निर्धारित ओवरों में 9 विकेट खोकर 119 रन ही बना सकी।

इस टीम को दूसरे ओवर की दूसरी गेंद पर शवाल जुल्फिकार (1) के रूप में शुरुआती झटका लगा। इसी ओवर की अंतिम गेंद पर गुल फिरोजा (0) भी पवेलियन लौट गई। यहां से

मुनीबा अली ने आयशा जफर के साथ तीसरे विकेट के लिए 17 रन जुटाए। आयशा टीम के खाते में सिर्फ 9 रन ही जुटा सकीं। इसके बाद मुनीबा अली ने सदाफ शमास के साथ चौथे विकेट के लिए 48 गेंदों में 54 रन जुटाकर टीम को 77 के स्कोर तक पहुंचाया, लेकिन 12वें ओवर की चौथी और छठी गेंद पर सदाफ (20) और कप्तान फातिमा सना (0) अपना विकेट खो बैठीं। इसके बाद टीम निरंतर अंतराल पर विकेट गंवाती रही और निर्धारित ओवरों में 9 विकेट खोकर 119 रन ही जुटा सकी।

विपक्षी खेमे से थिपाचा पुत्थावोंग ने 18 रन देकर 3 विकेट हासिल किए, जबकि सुलीपोर्न लाओमी ने 14 रन देकर 3 विकेट निकाले। इनके अलावा, फनिता माया ने 2 विकेट और सुनिदा चतुरोंगरात्तन ने 1 सफलता प्राप्त की। इसके जवाब में थाईलैंड 20 ओवरों के खेल में 8 विकेट खोकर 84 रन ही बना सकी।

ज्वेरेव ने टाला उलटफेर

यूएस ओपनः लोरेंजो सोनेगो को 5 सेट चले मुकाबले में हराया

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। टॉप सीडेड अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने आर्थर ऐश स्टेडियम में यूएस ओपन 2026 के पहले राउंड में बिना सीड वाले इटैलियन लोरेंजो सोनेगो को 6-4, 3-6, 6-7(7), 7-5, 6-4 से शिकस्त दी। जीत के साथ ज्वेरेव ने अगले दौर में जगह बना ली है। अलेक्जेंडर ज्वेरेव चौथे सेट में 4-5 से हार से दो पॉइंट दूर थे, फिर भी उन्होंने बाद के नियंत्रण हासिल किया और 4 घंटे, 53 मिनट तक चले मुकाबले में जीत हासिल की।

जर्मन खिलाड़ी ने सोनेगो के खिलाफ 6-0 के परफेक्ट एटीपी हेड-टू-हेड रिकॉर्ड के साथ मैच में एंट्री की। यह रिकॉर्ड ज्यादा मायने नहीं रखता क्योंकि वर्ल्ड नंबर 89 ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए ज्वेरेव की राह मुश्किल कर दी थी। मैच के दौरान सोनेगो की जोरदार शॉट-मेकिंग और हिम्मत देखने को मिली, जिससे मुकाबला बेहद रोमांचक हो गया था।

इस सीजन में सबसे ज्यादा 47 टूर-लेवल मैच जीतने वाले अलेक्जेंडर ज्वेरेव का दूसरे राउंड में फ्रांस के क्वेंटिन हेलिस के साथ मुकाबला होगा।

इससे पहले, फ्लेवियो कोबोली ने यूएस ओपन में अपने करियर में पहली बार दो सेट हारने के बाद वापसी की, जहां उन्होंने अर्जेंटीना के फ्रांसिस्को कोमेसाना को 3-6, 2-6, 6-3, 6-4, 6-4 से हराकर 4 घंटे और 12 मिनट के रोमांचक खेल के बाद दूसरे राउंड में जगह बनाई। कोबोली की वापसी ने 25 साल के इटैलियन को साल के आखिरी मेजर में सिर्फ तीन दिन में, नंबर 4 नोवाक जोकोविच और नंबर 10 आर्थर फिल्स के साथ पुरुषों के ड्रॉ में शुरुआती हार से बचा लिया। इटैलियन को ग्रैंड स्लैम में कामयाबी तब मिली जब वह रोलैंड गैरोस के फाइनल में पहुंचे, जहां वह ज्वेरेव से पांच सेट में हार गए।

फ्रेंच ओपन वाली सफलता यूएस ओपन में दोहराना चाहता हूंः एलेक्जेंडर ज्वेरेव

यूएस ओपन 2026 की शुरुआत हो चुकी है। नोवाक जोकोविच का पहले राउंड से बाहर होना अब तक की सबसे बड़ी खबर है। जानिक सिनर के इंजरी की वजह से टूर्नामेंट के बाहर रहने और जोकोविच के बाहर होने से स्पेन के कार्लोस अल्काराज और जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव के बीच एकल का खिताबी मुकाबला होने की प्रबल संभावना बन गई है।

अल्काराज और ज्वेरेव दोनों ही दूसरे दौर में जगह बना चुके हैं। फ्रेंच ओपन 2026 का खिताब जीतने वाले एलेक्जेंडर ज्वेरेव की नजर अपने पहले यूएस ओपन और दूसरे ग्रैंड स्लैम खिताब पर है। एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने अपने पहले मैच में इटली के लोरेंजो सोनेगो को हराया। ज्वेरेव ने सोनेगो के खिलाफ जीत के बाद जियोहॉटस्टार से बात करते हुए यूएस ओपन 2026 जीतने की इच्छा जताई है। जर्मन खिलाड़ी ने कहा, 'मुझे लगता है कि जीत कड़ी मेहनत का नतीजा था जो मैंने इतने सालों में की है। कई बार, मैं थोड़ा पीछे रह गया। शायद इसी वजह से आखिर में पांचवें सेट में फ्लाविया के खिलाफ फर्क पड़ा। मैं जीतने के लिए सच में तैयार महसूस कर रहा था, जो दूसरे फाइनल की तुलना में एक अलग तरह की फीलिंग थी। बेशक, मैं खुश हूं कि ऐसा हुआ। अब हम न्यूयॉर्क में हैं, और मैं इसे फिर से करने की कोशिश करना चाहता हूं।' फ्रेंच ओपन 2026 ज्वेरेव का पहला ग्रैंड स्लैम था। उस अनुभव को याद करते हुए ज्वेरेव ने कहा, 'मेरे कंधों पर जरूर कुछ बोझ था, खासकर जिस उम्र में मैं हूं। आपको कभी नहीं पता होता कि यह कभी होगा भी या नहीं। इसलिए, मैं आखिरकार अपनी पहली ग्रैंड स्लैम ट्रॉफी उठाकर बहुत खुश था, लेकिन अब, एक बार जब आप ऐसा कर लेते हैं, तो आप और चाहते हैं।

कार्लोस अल्काराज पहला सेट हारने के बावजूद जीते, तीसरे राउंड में जगह बनाई

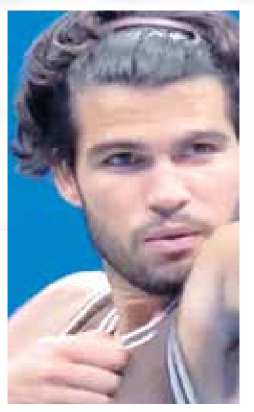

न्यूयॉर्क । कार्लोस अल्काराज ने यूएस ओपन 2026 के पुरुष एकल के तीसरे राउंड में जगह बना ली है। तीसरा यूएस ओपन जीतने की कोशिश कर रहे अल्काराज ने जैमे फारिया को हराकर तीसरे राउंड में जगह बनाई। अल्काराज की जीत इसलिए भी अहम है, क्योंकि उन्होंने पहला सेट गंवा दिया था। आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में अल्काराज ने जैमे फारिया को 4–6, 6–0, 6–3, 6–2 से हराया। कलाई की चोट की वजह से चार महीने के ब्रेक के बाद लौटे नंबर 3 सीड वाले स्पेन के अल्काराज ने 72वीं रैंक वाले पुर्तगाली खिलाड़ी फारिया को हराकर टेनिस कोर्ट पर एक बार फिर अपने दबदबे को साबित किया। फारिया ने पहला सेट 6–4 से जीतकर सबका ध्यान खींचा। पहले सेट में उतार–चढ़ाव के बाद, अल्काराज ने दूसरे सेट के अपने शुरुआती सर्विस गेम में एक ब्रेक पॉइंट बचाया और फिर लगातार आठ गेम जीत, सेट 6–0 अपने नाम किया। तीसरे सेट में अल्काराज ने लगातार आठ गेम जीते और फारिया की सर्विस लगातार पांच बार तोड़कर 6–3 से अपने नाम किया। इसके बाद अल्काराज ने चौथा सेट भी 6–2 से अपने नाम किया। अल्काराज की यह जीत अमेरिकन स्लैम में उनकी 26वीं मेन–ड्रॉ जीत है, जो चार मेजर में उनका सबसे बड़ा रिकॉर्ड है। अल्काराज 2004 से 2008 तक रोजर फेडरर के लगातार पांच बार जीतने के बाद यूएस ओपन टाइटल बचाने वाले पहले खिलाड़ी बनने की कोशिश कर रहे हैं। एटीपी नंबर 1 क्लब के सदस्य न्यूयॉर्क में दो बार के चैंपियन हैं। अल्काराज ने 2022 और 2025 में यूएस ओपन का खिताब जीता था। अल्काराज सबसे कम उम्र में ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले खिलाड़ी हैं। स्पेन के कार्लोस का अगला मुकाबला चीन के वू यिबिंग से होगा, जिन्होंने जेम्स डकवर्थ को 7–5, 6–3, और 6–1 से हराया।

दलीप ट्रॉफी

तिलक वर्मा ने खेली अर्धशतकीय पारी

बेंगलुरु । दलीप ट्रॉफी के दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में साउथ जोन ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए नॉर्थ जोन को 7 विकेट से हराया। नॉर्थ जोन से मिले 181 रनों के लक्ष्य को साउथ जोन ने आसानी से 3 विकेट खोकर हासिल कर लिया। कप्तान तिलक वर्मा का प्रदर्शन बल्ले से दमदार रहा। लक्ष्य का पीछा करने उतरी साउथ जोन की शुरुआत अच्छी रही। रिकी भुई और एन जगदीशन ने मिलकर पहले विकेट के लिए 64 रनों की अहम साझेदारी निभाई। जगदीशन 5 चौकों की मदद से 43 रन बनाकर आउट हुए, जबकि रिकी भुई 42 रन बनाने के बाद गुरनूर बरार का शिकार बने। शेख रशीद बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और सिर्फ एक रन बनाकर आउट हुए। हालांकि, इसके बाद कप्तान तिलक वर्मा और समरण रविचंद्रन ने साउथ जोन को कोई और झटका नहीं लगने दिया और चौथे विकेट के लिए 80 रनों की अटूट साझेदारी निभाते हुए टीम को जीत दिलाई। पहली पारी में शतक लगाने वाले तिलक ने दूसरी इनिंग में 79 गेंदों में 51 रनों की नाबाद पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने 8 चौके लगाए। वहीं, समरण 42 गेंदों में 4 चौके और एक छक्के की मदद से 32 रन बनाकर नॉटआउट रहे।

विमेंस एशिया कप

पाकिस्तान ने थाईलैंड को 35 रन से हराया

दुबई । पाकिस्तान ने जीत के साथ विमेंस एशिया कप 2026 में अपने अभियान की शुरुआत की है। इस टीम ने मंगलवार को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में थाईलैंड को 35 रन से मात दी। टॉस जीतकर बल्लेबाजी के लिए उतरी पाकिस्तानी टीम निर्धारित ओवरों में 9 विकेट खोकर 119 रन ही बना सकी।

इस टीम को दूसरे ओवर की दूसरी गेंद पर शवाल जुल्फिकार (1) के रूप में शुरुआती झटका लगा। इसी ओवर की अंतिम गेंद पर गुल फिरोजा (0) भी पवेलियन लौट गई। यहां से मुनीबा अली ने आयशा जफर के साथ तीसरे विकेट के लिए 17 रन जुटाए। आयशा टीम के खाते में सिर्फ 9 रन ही जुटा सकीं। इसके बाद मुनीबा अली ने सदाफ शमास के साथ चौथे विकेट के लिए 48 गेंदों में 54 रन जुटाकर टीम को 77 के स्कोर तक पहुंचाया, लेकिन 12वें ओवर की चौथी और छठी गेंद पर सदाफ (20) और कप्तान फातिमा सना (0) अपना विकेट खो बैठीं। इसके बाद टीम निरंतर अंतराल पर विकेट गंवाती रही और निर्धारित ओवरों में 9 विकेट खोकर 119 रन ही जुटा सकी।

हुंडई वर्ल्ड आर्चरी पैरा सीरीजः अहमदाबाद में होगा आयोजन, 100 से ज्यादा एथलीट लेंगे हिस्सा

अहमदाबाद (एजेंसी)। भारत में इंटरनेशनल खेलों की मेजबानी बढ़ती जा रही है। क्रिकेट के अलावा भारत अब दूसरे खेल भी काफी सफल तरीके से आयोजित करा रहा है. जिससे उनको और ज्यादा खेलों की मेजबानी मिल रही है। हाल ही में भारत ने दिल्ली में वर्ल्ड बैडमिंटन चैंपियनशिप की सफल मेजबानी कीअब भारत पहली बार हुंडई वर्ल्ड आर्चरी (तीरंदाजी) पैरा सीरीज की मेजबानी करेगा। ये सीरीज 5 से 9 सितंबर तक अहमदाबाद के साबरमती रिवरफ्रंट पर आयोजित की जाएगी. जिसमें 20 देशों के 100 से ज्यादा एथलीट हिस्सा लेंगे। गुजरात के डिप्टी सीएम हर्ष संघवी ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में, गुजरात अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभरा है. अहमदाबाद में अंतरराष्ट्रीय सीरीज की मेजबानी से बड़े खेल आयोजनों के लिए गुजरात की बढ़ती पहचान और मजबूत होगी और पैरा-आर्चरी को एक वैश्विक मंच मिलेगा।

एक कमरे में दो क्रिकेटरों को ठहराने के पक्ष में नहीं बीसीसीआई

आईओए से लगाई गुहार, खुद उठाएगा हवाई खर्च

नईदिल्ली (एजेंसी)। एशियाई खेलों के दौरान होटल के एक कमरे में दो क्रिकेटरों को ठहराए जाने की व्यवस्था से बीसीसीआई खुश नहीं है। बीसीसीआई ने भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) से गुहार लगाई है कि आयोजकों से बात कर एक क्रिकेटर को एक कमरे में ठहराने की व्यवस्था की जाए। आईओए ने इसे आयोजकों तक पहुंचा दिया है, लेकिन अब तक कोई जवाब नहीं मिला है। सूत्र बताते हैं कि सितारे भारतीय क्रिकेटरों के रहने में कोई दिक्कत नहीं आए, इसके लिए बीसीसीआई की एक टीम जल्द ऐची-नागोया का दौरा करेगी। इसके बाद ही बीसीसीआई फैसला लेगी कि क्रिकेटरों को आयोजकों की ओर से उपलब्ध कराए जा रहे होटल में ठहरना है या फिर उन्हें अपने खर्च पर होटल की व्यवस्था करनी है। बोर्ड ने यह भी फैसला लिया है कि एशियाड में भाग लेने के लिए हवाई यात्रा का खर्च वह खेल मंत्रालय से नहीं लेगा और अपने खर्च पर बिजनेस क्लास में क्रिकेटरों को जापान भेजेगा।

इकोनॉमी क्लास से जाते हैं खिलाड़ी

इस बार खेलों में श्रेयस अय्यर की कप्तानी में मुख्य टीम भेजी जा रही है, जिसमें बुमराह, अभिषेक शर्मा जैसे क्रिकेटर हैं। बीसीसीआई क्रिकेटरों को अमूमन बिजनेस क्लास में या फिर चार्टर्ड फ्लाइट में यात्रा कराता है। खेल मंत्रालय खेलों के लिए भारतीय दल का खर्च उठाते हुए खिलाड़ियों को इकोनॉमी क्लास में यात्रा कराता है। सूत्र बताते हैं कि बीसीसीआई ने आईओए से कहा है, वह क्रिकेटरों की यात्रा का खुद खर्च उठाएगा। आईओए ने 50 क्रिकेटरों और सपोर्ट स्टाफ पर दो करोड़ 34 लाख का खर्च तय किया था। इनमें यात्रा, दैनिक भत्ता, सेरिमोनियल-प्लेइंग किट का खर्च शामिल है।

महिला टीम को अलग होटल में ठहराया जाएगा

हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली महिला टीम को 14 सितंबर को नगोया पहुंचना है, जबकि उनकी वापसी 23 सितंबर की है। पुरुष टीम 21 को पहुंच रही है और चार अक्तूबर को वापसी कर रही है। पुरुष टीम को नगोया के एपीए होटल और महिला टीम को मेइतेत्सु ग्रांड होटल में ठहराया जा रहा है। आयोजकों ने एक कमरे में दो क्रिकेटरों को ठहराने की व्यवस्था की है। सूत्र बताते हैं कि आयोजकों ने कुछ दिन पूर्व एशियाड में आने वाले सभी देशों को बताया है कि उनकी ओर से 15 हजार खिलाड़ियों को ठहराने की व्यवस्था की गई थी, लेकिन यह 17 हजार पहुंच चुकी है। ऐसे में यह माना जा रहा है कि बीसीसीआई की मांग पूरी नहीं हो पाएगी।

सितारे भी रुकते हैं गेम्स विलेज में

एशियाड में इस बार गेम्स विलेज जैसो कोई व्यवस्था नहीं है। क्रूज शिप, कंटेनरों के अलावा होटलों में खिलाडियों को ठहराने की व्यवस्था की गई है। हालांकि, ओलंपिक जैसे आयोजनों में नोवाक जोकोविच, राफेल नडाल, मैजिक जान्सन जैसे अंतरराष्ट्रीय सितारे सबके साथ गेम्स विलेज में ठहरने को वरीयता देते आए हैं। अब यह देखना होगा कि बीसीसीआई आयोजकों की और से दिए गए होटल में क्रिकेटरों को उहराती है या अपनी ओर से इंतजाम करती है।

इंग्लैंड के खिलाफ वनडे और टी20 सीरीज के लिए श्रीलंकाई टीम का ऐलान

कोलंबो । श्रीलंका ने इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले वनडे और टी20 सीरीज के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज कुसल मेंडिस की कप्तानी में टीम का ऐलान कर दिया है। सीरीज 15 सितंबर से शुरू हो रही है। श्रीलंका को इस दौरे पर 3 टी20 और 3 वनडे मैच खेलना है। चरिथ असलांका दोनों सीरीज में उपकप्तान होंगे। पथुम निसांका, जिन्होंने हाल के महीनों में वनडे में शानदार फॉर्म दिखाया है, उनसे एक बार फिर टॉप ऑर्डर में मजबूती की उम्मीद की जाएगी। उनके साथ कामिल मिशारा, कामिंडू मेंडिस, जेनिथ लियानागे और पवन रथनायके हैं। ये बल्लेबाजी को मजबूती देंगे। इसके अलावा, टीम में अनुभवी ऑलराउंडर पूर्व कप्तान दासुन शनाका, ऑलराउंडर वानिंदू हसरंगा और दुनिथ वेलालागे भी हैं। ये

खिलाड़ी श्रीलंकाई टीम को गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों विभाग में मजबूती देंगे।

शनाका ने वनडे टीम में वापसी की है, जबकि टी20 टीम में अपनी जगह बरकरार रखी है। वनडे वर्ल्ड कप 2027 की तैयारी के लिए श्रीलंका की टीम में उनकी वापसी अहम है। वनडे सीरीज के लिए बतौर गेंदबाज महेश तीक्षाणा, सचिंदू कोलंबेज, दुष्मंथा चमीरा, ईशान मलिंगा, असिथा फर्नांडो और दिलशान मदुशंका टीम में शामिल हैं। टी20 सीरीज के लिए लाहिरू उदारा और थारिंडू रथनायके को टीम में शामिल किया गया है, जबकि तेज गेंदबाज नुवान तुषारा और बिनुरा फर्नांडो चमीरा और ईशान मलिंगा भी टीम का हिस्सा हैं। टीम में निसांका, कामिंडू मेंडिस, असलांका, जनिथ लियानागे, शनाका, हसरंगा, वेलालागे और तिक्षाणा भी शामिल हैं। पहले टी20 सीरीज खेली जानी है। पहला टी20 15 सितंबर को साउथैम्प्टन में, दूसरा 17 सितंबर को कार्डिफ में और तीसरा 19 सितंबर को मैनचेस्टर में होगा। इसके बाद तीन वनडे मैचों की सीरीज खेली जाएगी। पहला वनडे 22 सितंबर को चेस्टर-ले-स्ट्रीट, दूसरा 24 सितंबर को लीड्स और तीसरा 27 सितंबर को 'द ओवल' खेला जाएगा। श्रीलंका की टीम 5 सितंबर को इंग्लैंड के लिए रवाना होगी।

शतकीय पारी के बाद भी डी कॉक की टीम को करना पड़ा हार का सामना

सेंट किट्स । वॉर्नर पार्क में कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 का 23वां मुकाबला बारबाडोस ट्राइडेंट्स और सेंट किट्स और नेविस पैट्रियट्स के बीच खेला गया। बारबाडोस ट्राइडेंट्स को क्विंटन डी कॉक की शतकीय पारी के बावजूद 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। सेंट किट्स और नेविस पैट्रियट्स ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी थी। पहले बल्लेबाजी करते हुए बारबाडोस ट्राइडेंट्स ने विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक के शतक की बदौलत 4 विकेट पर 217 रन बनाए थे। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए डी कॉक ने 57 गेंदों पर 6 छक्कों और 11 चौकों की बदौलत 106 रन की पारी खेली। इसके अलावा, सलामी बल्लेबाज जैकरी कार्टर ने 36 गेंदों पर 57 रन बनाए। कार्टर ने अपनी पारी में 7 छक्के लगाए। शेफरन रदरफोर्ड ने 26 और कप्तान क्रिस ग्रीन ने 18 रन की पारी खेली। सेंट किट्स और नेविस पैट्रियट्स के लिए नसीम शाह ने 2, कप्तान जेसन होल्डर और वानिंदु हसरंगा ने 1–1 विकेट लिए। 218 रन के लक्ष्य को हासिल करने उतरी बारबाडोस ट्राइडेंट्स ने विस्फोटक शुरुआत की। जॉनसन चार्ल्स और काइल मायर्स ने पहले विकेट के लिए 10.2 ओवर में 112 रन जोड़े। मायर्स के रन आउट होने से यह जोड़ी टूटी। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 27 गेंदों पर 29 रन बनाए। चार्ल्स ज्यादा आक्रामक रहे। इस विस्फोटक बल्लेबाज ने 45 गेंदों पर 7 छक्कों और 6 चौकों की मदद से 78 रन की पारी खेली। तीसरे नंबर पर प्रमोट किए दासुन शनाका ने 22 गेंदों पर 2 छक्कों और 2 चौकों की मदद से 36 रन की पारी खेली। कप्तान जेसन होल्डर ने 11 गेंदों पर 18 रन बनाए।

शाहरुख खान के साथ 'किंग' में काम करना उनके लिए सपने के सच होने जैसा

'मुंज्या' की सफलता के बाद अभय वर्मा के लिए शोहरत के साथ जिम्मेदारी भी बढ़ी है। वह कहते हैं कि सफलता ने उनकी भूख कम नहीं की, बल्कि सपनों को और बड़ा कर दिया। शाहरुख खान के साथ 'किंग' में काम करना उनके लिए सपने के सच होने जैसा रहा।

ख'मुंज्या' की सफलता के बाद क्या अब दबाव महसूस होता है?

दबाव नहीं कहूंगा, लेकिन जिम्मेदारी जरूर बढ़ गई है। सफलता के बाद उम्मीदें बढ़ जाती हैं और आपको अगली बार और मेहनत करनी पड़ती है। मुझे याद नहीं कि पिछली बार आठ घंटे कब सोया था। लेकिन मेरे सपने मुझे सोने नहीं देते। मैंने एक खूबसूरत बात सुनी थी कि अगर आपको पता हो कि आप फेल नहीं होंगे तो आप कितना बड़ा सपना देखेंगे? इसलिए अब मैंने अपने सपनों की कोई लिमिट नहीं रखी है। आराम बाद में होता रहेगा। अभी मैं अपने दर्शकों का प्यार और बड़ा करना चाहता हूं।

आज की तारीख में आपको सबसे ज्यादा खुशी किस चीज से मिलती है?

लोगों का प्यार मेरी सबसे बड़ी खुशी है। मैं इसे एक अमानत मानता हूं। दर्शक जब चाहें यह अमानत दे सकते हैं और जब चाहें अपने खजाने से और प्यार दे सकते हैं। मेरा काम है कि मैं इतनी मेहनत करूं कि यह प्यार बार-बार मिलता रहे। अभी तक जितना प्यार मिला है, उसने मेरी भूख कम नहीं की, बल्कि और बढ़ा दी है।

शाहरुख खान के साथ 'किंग' में काम करने का अनुभव कैसा रहा?

मैंने सपने देखना ही शाहरुख सर को देखकर शुरू किया है। लोग उन्हें अपना हीरो मानते हैं और उनके जैसा बनने का सपना देखते हैं। मेरे लिए तो वह उससे भी आगे हैं।मैंने उनसे पूछा कि शुरुआती दौर में फिल्में कैसे चुनते थे? उन्होंने कहा- 'उन लोगों के साथ काम करो, जिनके साथ आपका मन लगे और जो आपको प्यार करते हों।' उनके अंदर 35 साल के अनुभव के बाद भी सीखने और सिखाने की वही ऊर्जा है। वह सेट पर सैंडबैग उठाकर बताते हैं कि यह आपका मार्क है, ऐसे डायलॉग बोलकर देख सकते हो। जब वह शूट नहीं कर रहे होते तो एक कुर्सी लेकर बैठ जाते और देखते कि सिनेमा कैसे बन रहा है। उनके अंदर का पैशन और जज्बा देखकर मुझे समझ आया कि वह शाहरुख खान क्यों बने हैं।

पहली बार शाहरुख खान के साथ काम करने का फोन आया तो आपका रिएक्शन क्या था?

मेरे लिए दो राय की कोई बात नहीं थी। मैंने कहा कि मुझे दीवार पर मक्खी भी बना देंगे तो मैं मक्खी बन जाऊंगा, बस उनके साथ काम करने का मौका मिलना चाहिए। जिस दिन मेरा शूट नहीं होता था, तब भी मैं सेट पर पहुंच जाता था। अगर मेरा शूट जल्दी खत्म हो जाता और उनका शूट चल रहा होता तो मैं पूरा दिन सेट पर रहता। जब फोन आया तो पैसे की बात भी हुई। मैंने कहा कि मेरे लिए इससे ऊपर कोई बात नहीं है। आप प्रोफेशनल तौर पर जो ठीक समझें, करिए। मेरे लिए उनके साथ काम करना ही सबसे बड़ा मौका था।

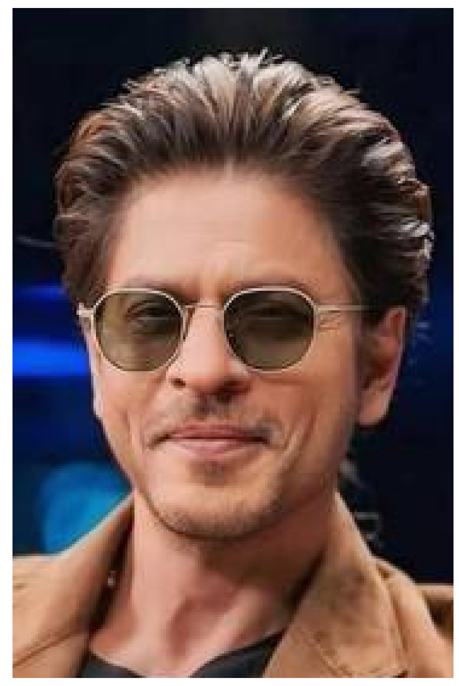

'मिर्जापुर' में 'डिंपी के किरदार में काफी ट्रांसफॉर्मेशन हुआ है

अभिनेत्री हर्षिता गौर आगामी फिल्म 'मिर्जापुर' में फिर से डिंपी पंडित के किरदार से वापसी कर रही हैं। अभिनेत्री का मानना है कि मिर्जापुर वेब सीरीज से लेकर अब तक उनके काम में काफी ग्रोथ देखने को मिली है। अभिनेत्री ने आगामी फिल्म 'मिर्जापुर' में फिर से डिंपी पंडित के किरदार के बारे में बताया कि वह अब पहले से बड़ी हो गई है। उन्होंने कहा, 'डिंपी के किरदार में काफी ट्रांसफॉर्मेशन हुआ है, उसने अपनी जिंदगी में बहुत तरक्की की है। मिर्जापुर के हालात कुछ ऐसे हैं कि एक समय के बाद आपको खुद को चुनना होता है और डिंपी ने भी कुछ ऐसा ही किया है। उन्होंने आगे कहा, 'वह इमोशनली समझदार और मेंटली मजबूत है, वह समझती है कि उसे अपनी ताकत दिखाने के लिए इस अफरा-तफरी का हिस्सा बनने की जरूरत नहीं है।'

अभिनेत्री ने आगे शो की पॉपुलैरिटी के बारे में बात की। उन्होंने कहा, 'अगर ये फिल्म सीधे आती तो हमें पता नहीं चलता कि दर्शक उसे कैसा रिस्पॉन्स देंगे, लेकिन लोग पहले से ही शो के इतने बड़े फैन हैं और इसे और ज्यादा देखना चाहते हैं। पहले सीजन वाला वही अंदाज वापस आ गया है, इसलिए मुझे लगता है कि ये सारी चीजें इस एक्सपीरियंस को और भी बेहतर बनाएंगी।'

अभिनेत्री ने बताया कि डिंपी से उन्हें सीखने को मिला, कि चाहे कुछ भी हो जाए, अपने डायनामिक्स में नहीं फंसना चाहिए। आपको अपनी बात रखनी होगी, और आप बिना लड़ाई-झगड़े के ऐसा कर सकते हैं। अभिनेत्री से सवाल किया, 'शो की पॉपुलैरिटी के साथ-साथ, वॉयलेंस और अब्यूसिव लैंग्वेज को लेकर भी क्रिटिसिज्म हुआ है। आपके अनुसार, क्या मिर्जापुर समाज की असलियत को दिखाता है, या यह कभी-कभी वायलेंस को सेंसेशनल बनाता है?'

इस सवाल के जवाब में अभिनेत्री हर्षिता गौर ने कहा, 'असल दुनिया फिक्शन को इंस्पायर करती है और कभी-कभी फिक्शन भी असल दुनिया को दिखाता है। इसलिए, मुझे नहीं लगता कि यह किसी चीज को सेंसेशनल बनाने के बारे में है।'

रुक्मिणी वसंत के लिए मुसीबत बनी टॉक्सिक

फैंस सुना रहे खरी-खोटी

यश की 'टॉक्सिक' ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर देश में 101.10 करोड़ का नेट कलेक्शन कर बंपर शुरुआत की है। गीतू मोहनदास की यह फिल्म अपने बोल्ड और बिंदास अंदाज को लेकर सुर्खियों में हैं। एक तरफ जहां यश के फैंस सिनेमाघरों में सीटियां बजा रहे हैं, वहीं 'कांतारा' फेम एक्ट्रेस रुक्मिणी वसंत के लिए यह सिर दर्द' साबित हो रहा है।

ऋषभ शेट्टी की 'कांतारा: चैप्टर 1' में लोगों ने रुक्मिणी को कनकवती के किरदार में देखा और खूब सराहा। लेकिन अब 'टॉक्सिक' में यश के साथ उनके बेडरूम सीन को देख लोग खफा हो गए हैं। सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस को आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। बेंगलुरु में पैदा हुई 29 साल की रुक्मिणी वसंत ने टॉक्सिक में मेलिसा का किरदार निभाया है। महज 7 साल पहले 2019 में कन्नड़ फिल्म 'बीरबल ट्रायोलॉजी' से करियर शुरू करने वाली रुक्मिणी के लिए यह नई फिल्म करियर में बड़ा महत्व रखता है। हालांकि, इस बार सोशल मीडिया पर उनके ट्रोलिंग का सामना करना पड़ रहा है। खासकर उस बेडरूम सीन को लेकर।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स इंस्टाग्राम और रेडिट पर वायरल हो क्लिप में रुक्मिणी बिस्तर पर सिर्फ एक कंबल ओढ़े दिख रही हैं। फिल्म में यह यश के किरदार राया के साथ इंटीमेट होने के बाद की सुबह का दृश्य है। यूजर्स ने इस सीन पर सवाल उठाते हुए लिखा है, 'रुक्मिणी, यह क्या बकवास है?' एक दूसरे यूजर ने लिखा, 'मैं ऐसे सीन को कैसे समझूं? रुक्मिणी, सच कहूं तो मुझे आपसे इसकी उम्मीद नहीं थी!'

यूजर्स ने पूछा- टॉक्सिक की स्क्रिप्ट नहीं पढ़ी थी आपने?

एक तीसरे यूजर ने लिखा है, 'क्या आपने फिल्म की स्क्रिप्ट नहीं पढ़ी थी? इतनी घटिया स्क्रिप्ट क्यों चुनी?' एक अन्य यूजर ने लिखा, 'इससे ठीक पहले के सीन में मेलिसा बिना कुछ कहे अपने कपड़े उतारने लगती है। यह क्या है, रुक्मिणी से ऐसे सीन की उम्मीद नहीं थी।'

डीपफेक बिकिनी वीडियो का शिकार बनी थीं रुक्मिणी वसंत

बहरहाल, रुक्मिणी वसंत की ओर से अभी तक इस ट्रोलिंग पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। न ही मेकर्स ने ही कोई जवाब दिया है। इससे पहले इसी साल मई 2026 में रुक्मिणी वसंत 'डीपफेक' का भी शिकार बनी थीं। तब ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर उनका एक स्विमिंग पूल वीडियो वायरल हो रहा था, जिसमें वह हरे रंग की बिकिनी में नजर आईं। दावा किया गया कि यह किसी शूटिंग का हिस्सा है।

'ललकार' के लिए बड़ा बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन करेंगे आमिर

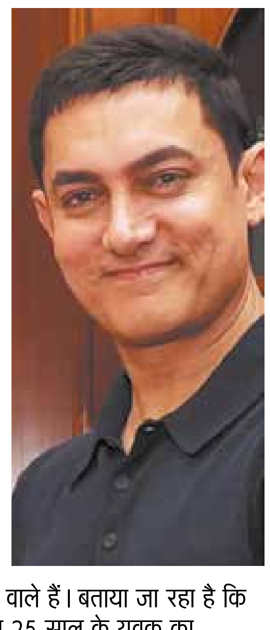

आमिर खान एक बार फिर अपने किरदार के लिए खुद को पूरी तरह बदलने की तैयारी में हैं। आमिर जल्द ही निर्देशक आशुतोष गोवारिकर की नई स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म 'ललकार' में नजर आएंगे। इस फिल्म को लेकर सामने आई नई जानकारी के मुताबिक... 'आमिर अपने किरदार के लिए बड़ा फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन करने वाले हैं। बताया जा रहा है कि फिल्म में वह करीब 25 साल के युवक का किरदार निभाएंगे। ऐसे में अपनी उम्र से काफी कम दिखने के लिए एक्टर वजन कम करने की खास तैयारी कर रहे हैं। आमिर ने फिल्म के लिए वजन कम करने की तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए वह एक बड़े वेट लॉस प्रोग्राम पर काम कर रहे हैं। आमिर के लिए यह बदलाव केवल वजन घटाने तक सीमित नहीं होगा। किरदार को विश्वसनीय बनाने के लिए उनके लुक, बॉडी शेप और स्क्रीन प्रेजेंस पर भी खास ध्यान दिया जाएगा।' आमिर पहले भी अपनी उम्र से अलग किरदार निभाकर दर्शकों को चौंका चुके हैं। '3 इडियट्स' में उन्होंने कॉलेज स्टूडेंट का किरदार निभाया था।

भावना पानी ने संजय लीला भंसाली के साथ काम करने की इच्छा जताई

अभिनेत्री भावना पानी फिल्मों और रंगमंच में खास पहचान रखती हैं। उन्होंने हालिया बातचीत में बताया कि वे अपने करियर में एक बार संजय लीला भंसाली की फिल्मों में काम करना चाहती हैं। उन्होंने बताया, 'संजय लीला भंसाली सर, चाहे मुझे कोई भी रोल दें, उसे आगे ले जाना मेरे ऊपर है। मैं उम्मीद करती हूं कि जब भी मुझे उनकी फिल्म में काम करने का मौका मिलेगा, तो वह शानदार, दमदार और चुनौतीपूर्ण रोल होगा। मैं यह भी उम्मीद करती हूं कि वह डांस वाला हो क्योंकि मैंने बचपन से ही भारतीय शास्त्रीय नृत्य सीखा है। मुझे लगता है कि संजय लीला भंसाली सर को शास्त्रीय संगीत और नृत्य की अच्छी समझ भी है। अभिनेत्री का मानना है कि हिंदी फिल्मों में अगर किसी निर्देशक ने भारतीय शास्त्रीय नृत्य और म्यूजिक को बड़े कैनवास पर उतारा है, तो वे संजय लीला भंसाली सर हैं। अभिनेत्री ने यह भी कहा है कि अगर आप एक्टर या डांसर नहीं होते, तो आप एस्ट्रोनॉट बनना चाहते। एक्टिंग कल्पना और इमोशन से चलती है, जबकि एस्ट्रोफिजिक्स लॉजिक और साइंस पर आधारित है। ये अलग-अलग दुनियाएं आपकी पर्सनैलिटी में एक साथ कैसे रहती हैं?' अभिनेत्री ने जवाब देते हुए कहा, 'इमोशन कभी भी बिना तर्क के नहीं आते हैं। ये आते कहां से हैं, उसका मकसद और जरूरत क्या है? यह सब समझने के लिए बहुत सारे तर्क और विज्ञान की आवश्यकता होती है। इसके लिए आपको बिहेवियरल साइंस की भी जानकारी होनी चाहिए। कई ऐसी चीजें हैं जहां आपके दिमाग का तार्किक होना बहुत जरूरी है। मुझे लगता है कि तार्किक दिमाग के साथ-साथ कल्पना और भावना की भी जरूरत होती है।

करीना कपूर ने 'दायरा' को बताया ड्रीम प्रोजेक्ट

अभिनेत्री करीना कपूर खान इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'दायरा' की रिलीज की तैयारी में हैं। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए इस प्रोजेक्ट पर काम करने के अपने अनुभव के बारे में बताया। अभिनेत्री करीना कपूर खान ने इंस्टाग्राम पर एक नोट शेयर कर बताया कि इस फिल्म ने उन्हें मुंबई के उन हिस्सों और ऐसी जगहों पर पहुंचाया, जहां वह पहले कभी नहीं गई थीं। करीना ने कहा कि भले ही वह पूरी जिंदगी इसी शहर में रही हैं और पूरे भारत में घूमी हैं, लेकिन 'दायरा' ने उन्हें मुंबई का एक अनदेखा पहलू दिखाया। अभिनेत्री ने लिखा, 'मुंबई में मेरा जन्म हुआ। सारी जिंदगी इस शहर में रहते हुए देशभर में काफी सफर करने के बाद, मुझे लगता था कि मैं इस शहर और देश को अच्छे से जानती हूं, लेकिन फिल्म दायरा की शूटिंग के दौरान मैं ऐसी-ऐसी जगहों पर गई, जो मैंने पहले कभी ना देखी थी और ना जानती थी।'

अभिनेत्री ने बताया कि फिल्म दायरा ने उनकी सामाजिक समझ को भी कई नई हदों तक पहुंचाया। उन्होंने लिखा, 'दायरा का सफर मेरी रचनात्मकता को उन जगहों तक ले गया, जो मेरे लिए अब तक अनजान थे। दायरा ने मेरी सामाजिक समझ को भी कई नई हदों तक पहुंचाया। मैंने सीखा है कि हमारी जिंदगी और समाज सिर्फ दोहरा नहीं है, सब कुछ सिर्फ काला या सफेद नहीं होता। इनके बीच एक पूरा स्पेक्ट्रम है, ग्रे का एक पूरा संसार है, जिसमें हम जीते हैं। दायरा उस ग्रे को सिर्फ समझने की कोशिश नहीं करती बल्कि, ये उसके अंदर उतरती है, उसे कुरेदती है। यही दायरा का सार है। क्योंकि दायरा की दुनिया पूरी तरह ग्रे है, लेकिन इसके साथ-साथ, हमेशा दोहरी भी है।'

उन्होंने आगे लिखा, 'यह फिल्म हमेशा से ही दोहरी कहानी वाली रही है। अपने मूल में 'दायरा' सिर्फ दोहराव के बारे में है और यह दोहरापन फिल्म के दो मुख्य किरदारों के जरिए दिखाया गया है। कास्टिंग के लिहाज से, यह मेरे लिए सपने के सच होने जैसा था। हिंदी और मलयालम फिल्म इंडस्ट्री के दो बेहतरीन कलाकारों को एक-दूसरे के सामने लाना। क्योंकि 'दायरा' एक ऐसी कहानी है जो एक नहीं, बल्कि देश भर में हुई कई सच्ची घटनाओं से प्रेरित है। दायरा की कहानी भारत के किसी एक शहर या राज्य में नहीं घटती, बल्कि यह हमारे देश में लगभग हर जगह घटती है। दायरा की इस दुनिया को बेहतरीन कलाकारों और शानदार टीम ने जीवंत किया है।' उन्होंने बताया कि इस कहानी में दोनों कलाकार कानून के सफर में हैं, लेकिन फिर, दोंनो खुद को कानून की नाजुक लकीरों के आर-पार पाते हैं।

फिल्म में मैंने अजूनी का किरदार निभाया है, जो अपने उसूलों को लेकर अटूट है और पृथ्वीराज के रमन के तेवर भी उनके उसूल जितने मजबूत हैं। जिंदगी की तरह, दायरा में भी, दोनों के फैसले न काले हैं, न सफेद। दोनों ग्रे के एक ऐसे इंद्रधनुष में घुले हैं, जहां कुछ भी साफ-साफ, सही या गलत नहीं है। कभी कानून उन्हें रास्ता दिखाता है, तो कभी वही कानून उनके रास्ते रोक देता है। कानून की लकीरों के दरम्यान का सफर, है दायरा।'

करीना ने बताया कि इस फिल्म में वे बिल्कुल नए अंदाज में नजर आने वाली हैं।

सिलवासा में हिन्दी कंप्यूटर टंकण प्रतियोगिता आयोजित

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा, 3 सितंबर। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव प्रशासन के राजभाषा विभाग सिलवासा द्वारा हिन्दी पखवाड़ा के अंतर्गत प्रशासन के विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए हिन्दी कंप्यूटर टंकण प्रतियोगिता का आयोजन जिला सचिवालय स्थित राजभाषा विभाग सिलवासा में किया गया। कार्यक्रम के दौरान राजभाषा विभाग सिलवासा की डॉ.अनिता कुमार ने विभिन्न विभागों से आए सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने सरकारी कामकाज में राजभाषा हिन्दी के अधिकाधिक प्रयोग के लिए कर्मचारियों एवं अधिकारियों को प्रोत्साहित करते हुए हिन्दी भाषा के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित मामलतदार सागर एस. ठक्कर ने हिन्दी पखवाड़ा के आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए राजभाषा विभाग की सराहना की। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भाग लेने के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिता में प्रशासन के विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया। आयोजन का उद्देश्य सरकारी कामकाज में हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देना तथा कर्मचारियों की हिन्दी कंप्यूटर टंकण दक्षता को प्रोत्साहित करना रहा।

खोडीधार बीच क्षेत्र में 2 से 6 सितंबर तक नो-पार्किंग एवं नो-हॉल्टिंग जोन घोषित

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव, 3 सितंबर। सार्वजनिक सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के उद्देश्य से संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव प्रशासन द्वारा दीव के खोडीधार बीच क्षेत्र में यातायात संबंधी विशेष व्यवस्था लागू की गई है। जिला मजिस्ट्रेट एवं कलेक्टर दीव द्वारा मोटर वाहन अधिनियम 1988 की धारा 217, 115 एवं 117 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नागवा सर्कल से (होटल रसाल के निकट) होटल पाम तक खोडीधार बीच क्षेत्र को नो पार्किंग एवं नो हॉल्टिंग जोन घोषित किया गया है। यह आदेश 02/09/2026 से 06/09/2026 तक प्रभावी रहेगा। उक्त अवधि के दौरान सड़क के दोनों ओर किसी भी वाहन को पार्क करने अथवा खड़ा करने की अनुमति नहीं होगी। आम नागरिकों एवं पर्यटकों की सुविधा के लिए संबंधित होटलों के पार्किंग स्थल, नागवा सर्कल पार्किंग तथा राधा कृष्ण मंदिर पार्किंग पार्किंग स्थलों का उपयोग किया जा सकता है। प्रशासन द्वारा संबंधित अधिकारियों को क्षेत्र में आवश्यक यातायात संकेतक एवं बोर्ड लगाने तथा यातायात व्यवस्था को प्रभावी रूप से लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस अधीक्षक दीव को आवश्यक पुलिस बल तैनात कर आदेश का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। आदेश का उल्लंघन करने वाले वाहनों को जप्त/इम्पाउंड किया जाएगा तथा निर्धारित दंड का भुगतान करने के पश्चात ही उन्हें छोड़ा जाएगा। यह कार्रवाई मोटर वाहन अधिनियम 1988 की धारा 177 के प्रावधानों के अनुसार की जाएगी। प्रशासन ने नागरिकों एवं पर्यटकों से अपील की है कि वे यातायात व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें तथा निर्धारित अवधि के दौरान नो पार्किंग एवं नो हॉल्टिंग क्षेत्र में वाहन खड़ा न करें।

दीव के बुचरवाडा हाईस्कूल में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया श्री कृष्ण जन्मोत्सव

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव, 3 सितंबर। दीव जिले के सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बुचरवाडा में जन्माष्टमी पर्व को भावभक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। विद्यालय की प्रभारी मुख्य शिक्षिका मीता परमार की उपस्थिति में तथा वरिष्ठ शिक्षक मनीष स्मार्ट के सीधे मार्गदर्शन में छात्रों और छात्राओं द्वारा कृष्ण जन्मोत्सव, मटकी फोड़ और रासोत्सव जैसे विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। छोटे-छोटे बच्चों ने राधा-कृष्ण की वेशभूषा में आकर्षक प्रस्तुति दी। मटकी फोड़ कार्यक्रम ने पूरे माहौल को उत्सवमय बना दिया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में विद्यालय के शारीरिक शिक्षक जयेश देसाई सहित सभी शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता और महत्वपूर्ण योगदान रहा। विद्यालय परिवार ने सभी को जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं।

औद्योगिक इकाइयों में कामगारों के लिए पहचान पत्र अनिवार्य:दादरा नगर हवेली प्रशासन का आदेश

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा, 3 सितंबर। दादरा नगर हवेली प्रशासन ने औद्योगिक इकाइयों में कार्यरत कर्मचारियों की पहचान सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण आदेश जारी किया है। उप-विभागीय मजिस्ट्रेट अमित कुमार द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत जारी आदेश के अनुसार जिले के सभी ठेकेदारों और औद्योगिक इकाइयों के मालिकों को अपने यहां कार्यरत कर्मचारियों के पहचान संबंधी दस्तावेजों का विवरण रखना होगा तथा प्रत्येक कर्मचारी को पहचान पत्र जारी करना अनिवार्य किया गया है। प्रशासन की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि दादरा नगर हवेली जिले की विभिन्न औद्योगिक इकाइयों में बड़ी संख्या में कर्मचारी कार्यरत हैं। निरीक्षण के दौरान यह देखा गया कि कई कामगारों के पास उचित पहचान पत्र उपलब्ध नहीं हैं। ऐसी स्थिति में किसी अप्रिय घटना या आकस्मिक परिस्थिति के समय कर्मचारियों की पहचान करने में कठिनाई उत्पन्न हो सकती है। इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने सभी संबंधित औद्योगिक प्रतिष्ठानों और ठेकेदारों को कर्मचारियों की पहचान संबंधी जानकारी व्यवस्थित रखने तथा पहचान पत्र जारी करने का निर्देश दिया है। आदेश के अनुसार ठेकेदारों और औद्योगिक मालिकों को कर्मचारियों के पहचान प्रमाण से संबंधित आवश्यक विवरण अपने पास सुरक्षित रखना होगा। साथ ही संबंधित पुलिस थाने को भी आवश्यक जानकारी उपलब्ध करानी होगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के तहत कार्रवाई की जा सकती है। सभी ठेकेदारों एवं औद्योगिक मालिकों को व्यक्तिगत रूप से नोटिस देना संभव नहीं होने के कारण आदेश को प्रेस के माध्यम से सार्वजनिक किया गया है। इसके अलावा श्रम प्रवर्तन अधिकारी दादरा नगर हवेली, पुलिस उपाधीक्षक सिलवासा, संबंधित पुलिस थानों एवं आउटपोस्ट, एसएफओ, सिलवासा नगरपालिका तथा जिला पंचायत, दादरा नगर हवेली के कार्यालयों के नोटिस बोर्ड पर इसकी प्रतियां चस्पा करने के निर्देश दिए गए हैं। आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। इसकी प्रभावी अवधि 1 सितंबर 2026 से 31 अक्टूबर 2026 तक निर्धारित की गई है, जब तक कि इसे इससे पहले वापस न लिया जाए। प्रशासन के इस कदम का उद्देश्य औद्योगिक क्षेत्रों में कामगारों की पहचान को सुनिश्चित करना, सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना तथा किसी भी अप्रिय घटना की स्थिति में संबंधित व्यक्तियों की पहचान में होने वाली कठिनाइयों को कम करना है।

अवकाश सूचना

असली आजादी दैनिक के सभी पाठकों, विज्ञापन दाताओं एवं शुभचिंतकों को श्री कृष्ण जन्माष्टमी की शुभकामनाएं। सभी को सूचित किया जाता है कि जन्माष्टमी पर 4 सितंबर को असली आजादी का कार्यालय बंद रहेगा। संपादक।

४थी पुण्यतिथिए श्रद्धांजलि

સ્વ. શારદાબેન સુરેશચંદ્ર હળપતિ

સ્વ. તા. ૦૫/૦૯/૨૦૧૮

સુખ મળે, વૈભવ મળે, મળે દુનિયાના બધા સુખ પણ જનારા સ્વજન પાછા ન મળે એ જ અમારા સૌનું દુઃખ તમે આત્મા સ્વરૂપે જ્યાં હો ત્યાં પ્રભુ તમને સુખ શાંતિ આપે એ જ અમારી સૌની પ્રભુને પ્રાર્થના.

લિ.

શ્રી સુરેશચંદ્ર એમ. હળપતિ (પતિ)

ડૉ. રાજેશ હળપતિ (પુત્ર) — દિપિકા હળપતિ (પુત્રવધુ)

સુધિર કુમાર હળપતિ (પુત્ર) — કાજલ હળપતિ (પુત્રવધુ)

ડૉ. અંકિતા હળપતિ (પુત્રી) — નિમિત અને રુશાંક (પૌત્ર)

નૈરિતિ (પૌત્રી), મૈરવ (પૌત્ર)

સ્થળ: રો-હાઉસ નં.૪૫ ધ એડ્રેસ સોસાયટી, એરપોર્ટ રોડ, નાની દમણ - ૩૯૬૨૧૦

TORRENT POWER | DNHDD

बिजली बंद होने की सूचना

उपभोक्ताओं को निर्बाध और गुणात्मक बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए दादरा नगर हवेली एवं दमन दीव पावर कोर्पोरेशन लिमिटेड (ट्रान्समिशन) द्वारा नेटवर्क रखरखाव की योजना बनाई है, ऐसा हमें सूचित किया गया हैं। निम्न दर्शित संबंधित सबस्टेशनों से ग्राहको को मिलने वाली बिजली सुबह ८:०० से दोपहर १.०० बजे तक आपूर्ति बंद रहेगी। कृपया तदनुसार आपकी गतिविधियों की योजना बनाएं। हालांकि, बिजली आपूर्ति निर्धारित समय से पहले शुरू करने के सभी प्रयास किए जाएंगे।

दिनांक	सबस्टेशन	फीडर	क्षेत्र का नाम
०६-०९-२०२६ रविवार	मगरवाडा	११ केवी कंदोई फेब्रिक	कचीगाम उद्यान विस्तार, मह्यावंशी फलिया, कच्छल फलिया, देसाई फलिया, कोलीवाड, पटेल फलिया, डूंगरी फलिया
	डाभेल	११ केवी एमजीयुअेन	महात्मा गांधी उद्योग नगर, वल्लभ जगन मेन रोड, पटेल पार्क, वीरा ईन्ड. एस्टेट
		११ केवी युएसवी	यूएसवी प्रा.लि.
		११ केवी अमित	अमित ईन्ड., कुलोदय प्लास्टोमेर प्रा.लि, टेम्पल पैकेजिंग प्रा.लि.
		११ केवी पोलिओल	टेकफेब औद्योगिक विस्तार

असुविधा के लिए खेद है

आरसीसीबी/ईएलसीबी का प्रमुख लाभ
आपके परिवार की सुरक्षा का वादा

अर्थ लीकेज सर्किट ब्रेकर स्थापित करें
और सुरक्षित रहें

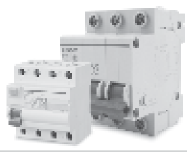

एक छोटी सी डिवाइस आपको बिजली के झटके से बचाएगी

आपकी सेवा में सदैव उपस्थित
24/7 Helpline 9099991912, 18002339500, 19126, 18002705551
connect.torrentpower.com
connect.dnhdd@torrentpower.com

रोटरैक्ट क्लब ऑफ दमण एवं कैनाइन स्पेस पेट शॉप ने स्ट्रीट एनिमल्स के लिए नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच एवं टीकाकरण शिविर का किया आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण, 3 सितंबर। रोटरैक्ट क्लब ऑफ दमण एवं कैनाइन स्पेस पेट शॉप द्वारा 31 अगस्त को स्ट्रीट एनिमल्स के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं एंटी-रेबीज टीकाकरण शिविर आयोजित किया गया। इसके साथ ही 31 अगस्त से 4 सितंबर तक आवारा कुत्तों एवं बिल्लियों के लिए निःशुल्क एंटी-रेबीज टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत आवारा कुत्तों को रेडियम कॉलर भी पहनाए जा रहे हैं, जिससे रात के समय उनकी दृश्यता बढ़े और सड़क दुर्घटनाओं को रोकने में सहायता मिल सके। यह पहल स्ट्रीट एनिमल्स के स्वास्थ्य, सुरक्षा और बेहतर जीवन के लिए समर्पित एक छोटा-सा प्रयास है।

दीव पुलिस ने बीएसएनएल कॉपर केबल चोरी मामले में सात लोगों को किया गिरफ्तार

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव, 3 सितंबर। दीव पुलिस ने बीएसएनएल कॉपर केबल चोरी के मामले में सात लोगों को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता बीएसएनएल टेलीफोन टेक्नीशियन राकेशकुमार लल्लनप्रसाद सिंह (उम्र-39 वर्ष) ने बताया कि 01/09/2026 को लगभग 9 बजे ने पुराने दीव ब्रिज के पास एक केबल कटी हुई हालत में पड़ी देखी। इसके बाद बीएसएनएल स्टाफ ने दीव बस स्टैंड के पास के इलाके में नजर रखी। उन्होंने देखा कि लगभग आधी रात को दो लोग रजिस्ट्रेशन नंबर जीजे-11-बीएच-3946 वाली एक सफेद ऑल्टो कार में आ रहे हैं और पुराने दीव ब्रिज की तरफ जा रहे हैं। इसके बाद रजिस्ट्रेशन नंबर जीजे-10-टीएक्स-8140 वाली एक छोटा हाथी गाड़ी को मौके पर बुलाया गया और केबल को उस गाड़ी में लोड किया गया। इसके बाद दोनों गाड़ियां घोघला की तरफ चली गईं। बीएसएनएल स्टाफ ने तुरंत अपने अधिकारी को सूचित किया। जिन्होंने बाद पुलिस कंट्रोल रूम को सतर्क किया। प्राप्त सूचना पर तुरंत कार्रवाई करते हुए पुलिसकर्मी, शिकायतकर्ता और बीएसएनएल स्टाफ घोघला चेक-पोस्ट की ओर बढ़े और दोनों वाहनों को रोक लिया। पूछताछ के दौरान पकड़े गए लोगों ने खुलासा किया कि चोरी की गई बीएसएनएल कॉपर केबल घोघला में स्मशान रोड पर सागर बार के सामने खाड़ी के पास फेंकी गई थी। पुलिस ने बाद में उक्त स्थान से 1,50,000 रूपये मूल्य की चोरी की गई बीएसएनएल कॉपर केबल बरामद की। इसके बाद दीव पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 303(2), 324(4) और 3(5) और सार्वजनिक संपत्ति क्षति निवारण अधिनियम 1984 की धारा 3(2)(ई) के तहत एफआईआर नं. 11/2026 के तहत अपराध दर्ज किया। इस मामले में पुलिस ने 7 लोगों को गिरफ्तार किया है। जिसमें रिवान मंगलसिंघ मैडा (निवासीः देलवाडा, गुजरात), अजय नवलभाई मसल (निवासीः खारा क्षेत्र, ऊना, गुजरात, मूल निवासीः टांडा, तालुका और जिला दाहोद, गुजरात), सुरेश काना राठौड़ (निवासीः संसकवाड़ा, ऊना, गुजरात), नरेश मांगलिया मैडा (निवासीः सरकारी बाग, देलवाड़ा, गुजरात, मूल निवासीः तलाव फलिया, जारी, दाहोद, गुजरात), बाबू रूमाल मसात (निवासीः सरकारी बाग, देलवाड़ा, गुजरात, मूल निवासीः खाखरी खेड़ा, दाहोद, गुजरात), पंकज मेघभाई मिनामा (निवासीः खारा क्षेत्र, ऊना, गुजरात, मूल निवासीः वडबारा, दाहोद, गुजरात) और विक्रम मंगलसिंह पैडा (निवासीः सरकारी बाग अनारा कडा, दाहोद, गुजरात) शामिल है। आरोपियों को माननीय कोर्ट दीव के सामने पेश किया गया और उन्हें ज्यूडिशियल कस्टडी दे दी गई। मामले की आगे की जांच चल रही है। दीव पुलिस असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और सभी नागरिकों के लिए सुरक्षित माहौल पक्का करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

TORRENT POWER | DNHDD

Dadra and Nagar Haveli and Daman and Diu Power Distribution Corporation Limited.

(A subsidiary of Torrent Power Limited)

Walk in with confidence, Walk out with an opportunity

WALK-IN-INTERVIEW:

- **Date: 13–09–2026 (Sunday)**
- **Venue: Vidyut Bhavan, SILVASSA, DNH**
- **Time: 10:00 AM to 04:00 PM**

Departments	Designations	Qualifications	Experience
Distribution/Customer Service/Technical Services	Executive	B.E./B.Tech. – Electrical	2 to 8 Years
	Junior Executive	Diploma – Electrical	

Eligibility:

A. Individual who has cleared 10th, 12th with first class and in the first attempt.

B. B.E./B. Tech/Diploma with first class, with no academic gap **(maximum 3 backlogs/ATKTs)**

PLEASE NOTE:

Candidates are requested to bring a copy of their updated CV, original certificate of all semesters with degree/diploma certificate & salary slip and other relevant documents at the time of interview.

Contact (Recruitment Team):

If you are unable to attend the interview on the scheduled date, you may send your CVs to following email address with subject as **"CV for Executive Distribution",**

Email address: **vacancydnhdd@Torrentpower.com**

DNHDD Power Distribution Corporation Limited

Address: 1st & 2nd Floor, Vidyut Bhavan, Beside GNLU, 66 KV Road, Amli, Silvassa – 396230, DNH, India

स्वामी: मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)